एक सर्वोच्च चिन्ह

[भाई नेविल कहते है, "... यह लोग जो परमेश्वर आपकी सेवकाई और प्रेम के द्वारा। हमारे लिए, इस समय लाया, इसे थोड़े से, उसमें दिखाना चाहेंगे, इस छोटे से पुरस्कार देने के द्वारा।"—सम्पा।] धन्यवाद, भाई नेविल। ["परमेश्वर की आशीषे इस प्रिय भाई पर हो।"] बहुत–बहुत, धन्यवाद, भाई नेविल।

2 और धन्यवाद कलीसिया। मैं बस नहीं जानता कि इस के भीतर क्या है। परन्तु मैं अपने सम्पूर्ण हृदय से इसकी सराहना करता हूं, कि आप लोग जो मेरे लिए विशिष्ट है, और वह चीजे जो आप लोगो ने मेरे लिए की है। यदि आप लोग ना होते, तो मैं भी यहां ना होता। यदि कोई इस संदेश का जो परमेश्वर ने मुझे प्रचार करने के लिए दिया, इसका विश्वास करने वाला नहीं होता, तो इसका प्रचार ना होता। हम दो ही होते, जो एक साथ कार्य करते। इसलिए, मैं इसकी बहुत सराहना करता हूं।

3 हमारी कलीसिया में, थोड़े बहुत लोग हमारे मध्य से हैं, जो सदा हास्य स्वभाव वाले है। अब, जब मैं थोड़ी देर पहले पीछे के कमरे में आया, किसी ने मुझे पार्सल पकड़ाया, और कहा, कि मैं मंच पर जाकर और *इसे* भाई नेविल को भेंट कर दूँ। मेरी भावनाओं के प्रति उसकी सराहना के लिए, और इस कलीसिया की संगति, और इस वर्ष हमारे लिए जो उनका अर्थ था, बीते वर्षों में एक पास्टर होने के नाते, और आशाएं और प्रार्थनायें कि वह निरंतर आने वाले वर्षों में भी हमारे पास्टर रहेंगे, कलीसिया की ओर से एक चिन्ह और मैं स्वयं और भाई नेविल।

4 [भाई नेविल कहते है, "आप सबको बहुत–बहुत धन्यवाद। परमेश्वर आपको आशीष दे। मैं वास्तव में इस प्रकार की बातों की सराहना करता हूं और उस भलाई के लिए जो मेरी और जो कि सामान्ये से और सभा के प्रत्येक लोगों की ओर से है। और सच में, आज प्रातः, मैं आपके प्राण की गहराई से कि हम में से जो कोई क्यों ना हो गहराई से भाई ब्रंहम के लिए धन्यवादित हैं कि हमारे लिए उनका क्या अर्थ है, और उनकी सेवकाई। और होने दे परमेश्वर उन्हें फलवन्त और आशीषित करें और जैसा कि

इस वर्ष प्रभु के लिए बढ़ते हैं, यह मेरे हृदय की प्रार्थना है। बहुत–बहुत, धन्यवाद, निश्चय ही। मैं इसकी सराहना करता हूं। ठीक है।"—सम्पा।]

5 यह छोटे बालक, ठीक है, मैं सोचता हूं कि यह छोटे बालक अब अपने—अपने कमरों में जाएंगे। [भाई नेविल कहते है, "यह ठीक बात है।"—सम्पा।] और अब स्मरण रखे, छोटी लड़कियां अच्छी प्रकार से, और लड़के प्रातः उस कमरे में है। क्योंकि, सभा के पश्चात, मैं सोचता हूं कि ऐसा लगता है कि आप लोगों के लिए इस मनोरंजन व्यवहार में कुछ बचा था।

6 अब, वयस्कों जैसा कि हमारी—हमारी युवाओं की बढ़ती संख्या को देखते है—है जो गिनती में बहुत है, हम उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहे है जब तक हमारे पास नई कलीसिया नहीं होती है जहाँ वे कक्षाएं अलग–अलग नहीं बन सकती है।

7 हमारी बहन एनरोल्ड के पास निश्चय ही एक—एक भरपूरी से है; थोड़ा सा नहीं, परंतु भरपूर से। और मेरी छोटी लड़की मुझे बता रही थी। उसने कहा, "पिताजी, बहुत एनरोल्ड के लिए यह बहुत कठिन है।" उसने कहा, "क्योंकि, वह हमसे ऐसी भाषा में बात कर रही होगी जिसे कि हम समझ सकेंगे, और तब छोटा बच्चा भी कुछ करेगा, और उसे उन्हें रोककर ठीक करना होगा, देखा आपने।" इसलिए एक महिला के लिए यह कठिन है कि सारी कक्षाओं को ले। इसलिए हम उनकी सराहना करते है और उनका—उनका यहां बढ़िया सहयोग की आवश्यकता के समय वह करती हैं। प्रभु उनको आशीष दे।

8 अब हम जल्द ही किसी दिन आशा करते है कि प्रभु चाहेगा, तो हमारे पास एक अच्छा बड़ा आराधनालय होगा जहां हमारे पास सब प्रकार की संडे स्कूल की कक्षाएं कमरे होंगे। छोटे बच्चों के लिए, चित्रों को चिपकाने वाला फलालेन कपड़ा; इधर पुलपिट की ओर, ऊपर *यह,* एक बड़ी कांच की खिड़की नर्सरी के बालकों के लिए, जहां पर एक प्रशिक्षित नर्स वहां होगी कि उन छोटे बालकों की देखभाल करें। तब आराधनाओं में विघ्न नहीं होगा, चलना फिरना या आसपास आवाज। यह छोटे बालक चंचल है, वे नहीं समझते। उन्हें उनको समझना है। वे हमें नहीं समझ सकते। और सो, तब, इस प्रकार से एक स्थान जहां पर सब कुछ व्यवस्थित होगा मैं विश्वास

करता हूं प्रभु हमें यह करने देगा। हम शानदार देखने वाले नहीं, परंतु एक अच्छी कलीसिया होंगे। हम उसकी प्रतीक्षा कर रहे हैं।

9 अब, भाई नेविल और अपने लिए, मैंने एक विचार किया है, ये सूट के कपड़े है। भाई नेविल, मैं नहीं जानता। [भाई नेविल कहते है, "ये या कुछ और।"—सम्पा] मैं—मैं यह सोचता हूं। मैं निश्चित नहीं हूं। क्योंकि यह मुझे सूट के डिब्बे, जैसा प्रतीत होता है। क्या आपको भी ऐसा ही नहीं लगता? ओह। और ये या तो सूट है या बड़े वाले कोट। और मैं—मैं यह... दोनो एक से प्रतीत होते हैं, इसलिए यहाँ—यहाँ दर्शाना व्यक्ति के लिए सम्मानित नहीं है। और, इसलिए, मेरे पास बड़ा कोट है। और मैं जानता हूं कि वे—वे... यह बड़ा कोट नहीं है। इसलिए यह... आपके पास भी एक है इसलिए यह सूट होना चाहिए। और यह सब... हम इसके लिए आपकी बहुत सराहना करते है!

10 और मैं निश्चित हूं, कि एक पास्टर, चरवाहा होने के नाते, *पास्टर* शब्द का अर्थ "एक चरवाहा, जो भेड़ों को चराता है," निश्चय ही मैं कि हम आपके आभारी है और आप में से प्रत्येक के, क्योंकि, यह—यह आपकी कृपा और विचार थे, और पैसे, जिससे आज प्रातः यह पुरस्कार हमारे लिए संभव हो सके। और परमेश्वर के अनुग्रह से होते हुए, हम स्वयं आपके पास्टर होने की शपथ लेते है, कि आपका सही मार्गदर्शन करने के लिए सब कुछ करेंगे। हो सकता है, कभी–कभी, जिस प्रकार हम बोलते हैं, समझना कठिन हो। परंतु हम यह केवल एक मार्गदर्शको के समान कर रहे हैं, आपकी उस स्थान के लिए अगुवाई कर रहे है, कि, पुनरुत्थान में आप हमारी बहुत सराहना करेंगे। क्योंकि, हम अपने को बनाने के लिए नहीं, विचारते जब हम आप से बोलते हैं, अपने विचारों को नहीं, परंतु जैसा पवित्र आत्मा हमारी लड़ाई करता है कि करें। और यही हमारा... प्रयास यही रहा। और हम अब भी वही करने का प्रयास कर रहे हैं, यह ठीक बात है, पास्टर और मैं स्वयं।

11 हम चमकते सूर्य को देखकर आभारी है। मेरा भाई कह रहा था, उसने भाई कह रहा था, उसने फ्रेकी वेबर को फ्लोरिडा में संदेश भेजा, कहा, "केवल वही नहीं जो बड़ी दिन पर अपनी कमीज की अस्तीने ऊपर करके और कार के सामने के शीशे को धोए।" वह इसी कार्य को पूरे जोश के साथ कर रहा था! आप जानते हैं फ्लोरिडा में बहुतायत से सूर्य चमकता

है, फ्लोरीडा को सूर्य सारे समय देखता रहता है, इसलिए इसे इन्डियाना में आना चाहिए और देखना चाहिए कि सब चीजें किस प्रकार से चल रही है। क्या आप ऐसा नहीं सोचते? वह आया है इसलिए हम प्रसन्न है, आज प्रातः कम से—से कम कुछ क्षणों के लिए।

12 परंतु, इस सब के ऊपर, हम परमेश्वर के पुत्र के उजियाले के लिए धन्यवादित है, जो कि हमें अनंत आनंद देता है।

13 मुझे आश्चर्य होगा यदि यह छोटा लड़का जो अभी–अभी अंदर आया है, वह अपने माता पिता के साथ बैठना चाहेगा। या, वहां पीछे कोई सन्डे स्कूल की कक्षा है, छोटे बालक यदि तुम पीछे जाकर जाना चाहते हो। भाई टेलर, क्या आप इस छोटे सज्जन बालक का कक्षा की ओर मार्गदर्शन करेंगे। यह बहुत अच्छा है। कभी–कभी वे अपनों के साथ रहना चाहते हैं, आप जानते हैं। उनकी, आपसी बातें होती हैं, विवाद करना चाहते हैं। और यह इसी प्रकार से है।

14 छोटी बारह वर्षीय लड़की, जैसा कि मैंने अक्सर कहा है, यदि आप छोटी आठ–, नौ–, दस–वर्षीय लड़की को दादी के साथ–साथ घूमते देखे, तो वहां कुछ गड़बड़ है। समझे? वहां—वहां कुछ गड़बड़ी है, क्योंकि उनकी आयु में बहुत अंतर है। आप कल्पना कर सकते हैं, कि दादी के पास टोफियो का थैला हो कहीं, ताकि वह अपना हाथ उस पर रखे। और यह छोटी बच्ची, वह बड़ी–बड़ी आंखें उस टॉफी के थैले के लिए चमक रही हो। क्योंकि, साधारणतः, उनके पास बातें करने के लिए कुछ नहीं होगा, कुछ नहीं, केवल उसको दुलार करने के लिए। परंतु यह इसी प्रकार से है, और हम प्रसन्न है कि यह इस प्रकार से है।

15 और तब मैं यहां वक्तव्य दे रहा हूं, मैंने यह एक बार किया है, मेमने और पिंडुकी के प्रचार करने में। आप देखिए, उनकी बातें एक सी होती है। वे चीजों के विषय में बात कर सकते हैं।

16 मैसोनिक, मैसोनिक लॉज, उनके पास बात करने के लिए होता है, मैसोनिक लॉज भाइयों के; ओड फेलो लॉज के भाई लोग। जर्मनियो के पास, जर्मन की बातें करने का विषय होता है, अपने घर के स्थान, जब जर्मनी आपस में एक दूसरे से मिलते हैं, एक जब अपने घर के स्थान में से आता है। इटली वालों के पास बातों के विषय आपस में होता है।

17 और मसीहो के पास बात करने का विषय होता है। इसी कारण हम इस प्रकार के स्थान में एकत्र होते है, मसीह यीशु में स्वर्गीय स्थानों में, क्योंकि हम एक ही राष्ट्र के नागरिक हैं। हम यहां यात्री और परदेसी है, इस संसार के लिए। इसलिए इस सब्त की प्रातः हम एक दूसरे से प्रेम करते हैं और प्रार्थना के समय, एक साथ एकत्र होते हैं, क्योंकि हमारी बातें एक ही है। हम सामान्य बातों पर बातें करना पसंद करते हैं, सामान्य बातें जो हम पसंद करते हैं: प्रभु, और उसके कार्य। किसी के हृदय में कुछ उत्तेजना होती है, प्रभु ने उन्हें चंगा किया है, और स्वयं को वहां उपस्थित करना चाहते हैं, "देखो, प्रभु ने क्या किया है!" किसी को महान आशीष मिली है, और वह बस आराधनालय जाना चाहता है, कि किसी को यह बताएं। देखिए, इसलिए, यही कारण है कि हमारी बातें सामान्य होती है।

18 मुझे आज प्रातः ऐसा प्रतीत होता है कि आराधनालय में ध्वनी व्यवस्था अच्छी है। मुझे ऐसा लगता है। मैं निश्चित नहीं हूं। ऐसी गूंज है यहां।

19 परंतु बीते सप्ताह की बेदारी के परिणाम के लिए मैं आनंदित हूं। समझे? इसने केवल आसपास में ही हलचल नहीं की, बल्कि विभिन्न राष्ट्रों में भी हमने वहां से सुना है, कि प्रभु बहुत अच्छा था। अब, यदि पुरानी बातों को भूल जाए और तैयारी के साथ प्रभु में आ जाए, आशीषे पाने के लिए तैयार हो गए है, यदि उस छोटे समय ने यह किया; तो यदि हम निरंतर चलते रहे, तो क्या होगा? समझे? इसलिए, हम इसे बुझने ना दे। हम इसमें और चीजें मिलाते जाए, सारे समय, जब तक कि धूयें का चिन्ह समस्त संसार में ना दिखाई दे जाए, कि यीशु मसीह जीवित है, और हमारे हृदयो में आग जल रही है।

20 मेरे अपने और मेरी पत्नी और आदि के नए समर्पण करने के बाद से, हमने ध्यान दिया कि घर के आस–पास चीजें बहुत भिन्न है। और ऐसे अधीर नहीं जैसे कि हम थे, चंचल और उछलने वाले कि, "हम *यह* नहीं लेंगे, और *वह* नहीं लेंगे।" हमने इसे शांति पूर्वक लिया, और अधिक होने दिया।

21 इसलिए, अब, नववर्ष आ रहा है। और हम नई बातें लाने में विश्वास नहीं करते, हम केवल विश्वास करते हैं कि पुरानी बातों को जलाकर समाप्त कर दें। इसलिए आने वाले वर्ष में स्वयं को परमेश्वर के लिए पवित्र रखें, हम नहीं जानते कि प्रभु हमारे लिए क्या करेगा।

22 परंतु हम आप सबके आभारी हैं। मैं मसीह की देह के हर सदस्य के लिए जो हर जगह है, धन्यवादित हूं। और विश्वास के विभिन्न क्षेत्रों में इस से कोई मतलब नहीं कि वे मुझसे कितने असहमत है, मैं फिर भी आभारी हूं कि कोई... यहां तक कि यदि मैं सोचुंगा वे थोड़ी गलती पर होंगे, वचन में, परंतु फिर भी सच्चाई से जो वे विश्वास करते हैं उनके लिए खड़ा हूं। निश्चय ही मैं उन भाइयों को सहने के लिए तैयार हूं, और वे मेरी गलतियों और बातों में मेरे साथ है, क्योंकि हम में से कोई सिद्ध नहीं है।

23 परंतु उस सांझ संदेश में जब परमेश्वर स्वयं को, पेंटीकोस्ट पर अलग करता है, समय के संगम पर, या परामर्श में जहां पर निर्णय लेना होता है, "यह नई मसीही कलीसिया किस प्रकार की कलीसिया होगी?" जिसके लिए यह परामर्श किया गया है। और हम प्रेरितो की पुस्तक में पाते हैं, 2रा अध्याय, हम एक निर्णय ली गई कलीसिया को पाते है; किस प्रकार की कलीसिया, कलीसिया क्या होगी, जब उसने मसीह को स्वीकार किया तो उसकी प्रतिक्रिया क्या होगी। मुझे यह अच्छा लगता है। और मैं गंभीरता से उसके लिए यत्न कर रहा हूं, वह कलीसिया जो एक बार पेंटीकोस्ट पर स्थापित की गई। अब, उस समय यह अजीब थी, यह अब भी विचित्र है। और रहेगी, जब तक पाप जगत में है, और युद्ध लड़ा जाना है, यह हमारे शत्रु के लिए विचित्र रहेगी, परंतु फिर भी यह परमेश्वर के लिए बहुमूल्य है जिसके लिए हम गंभीरता से यत्न कर रहे हैं कि परमेश्वर हमारे लिए करेगा।

24 अब, हम घोषणायें, मेरा अनुमान है भाई नेविल ने पहले ही कर दी है।

25 और इस सप्ताह घर पर प्रार्थना के लिए और प्रभु के मुख को खोजने के लिए। इस आने वाले वर्ष के लिए परमेश्वर की सहायता से, यदि वह मेरी सहायता करेगा, मैं इस लड़ाई को बहुत यत्न से लड़ूंगा जो मैंने कभी अपने समस्त जीवन में लड़ी। और संभव है इस वर्ष विदेशों में काफी समय व्यतीत हो, और ह्याती, और दीपों में, और दक्षिणी अमेरिका, और अफ्रीका और एशिया, और भारत और—और ऊपर स्कैंडेनेवियन में। और यह सब इस सप्ताह में तय होना है, यदि प्रभु ने अनुमति दी। इसलिए जब मुझे किसी बात की अगुवाई अनुभव होती है या कहीं जाने की, प्रभु को मुझे ऐसा करने के लिए भेजना होता है।

26 तब जब मैं हवाई जहाज से भूमि पर उतरता हूं, और ऐसा प्रतीत होता है कि यहां एक आया है, और कहा, "ओह, *यह* विशेष नामधारी हट गया,

इसने *यह* किया या *यह* गलत चला गया, या हम *यह* नहीं कर सके, या प्राधिकारी कहते हैं हम सभा नहीं कर सकते।"

27 तब मैं स्थिर रहना पसंद करता हूं, "परंतु मैं प्रभु के नाम में आता हूं।" और तब मैं जानता हूं कि यह शैतान है। देखिए, है कि नहीं, "क्या मैंने गलती की है? " मेरी अगुवाई हुई है। तब आप पहिए के साथ अपना कंधा लगा सकते हैं, और युद्ध को लड़ सकते हैं।

28 अब, इससे पहले कि हम पुस्तक खोले, या परमेश्वर से इसे खोलने को कहे, यह जैसा कि हम इसे पढ़ते है, मैं कहना चाहता हूं जिस कारण इस प्रातः मैं इस संदेश को कलीसिया के पास लाया हूं। कलीसिया के लिए यह मेरा बड़े दिन का संदेश है। इस विषय में... जैसा मैं विश्वास करता हूं, यदि पवित्र आत्मा ने मेरी सहायता की आपको बताऊँ। अब, इससे कोई मतलब नहीं कि पवित्र शास्त्र में यह कितना सुंदर लिखा है, और व्यक्ति इसे कितना समझता है, उन्हें पवित्र आत्मा पर इसके लिए निर्भर होने पड़ता है लोगों कि लोगों को बताएं। और यहां ठीक बड़े दिन के बाद, जब आप तमाम बड़े दिन की कहानियां सुन चुकते हैं और वो—वो रेडियो प्रसारण, और आदि–आदि, बड़े दिन के संदेशों के। यह बड़े दिन की कहानी के लिए, थोड़ा विचित्र होगा, परंतु फिर भी परमेश्वर ने यह मेरे हृदय पर रखा है।

29 और अब हम अपने सिरों को थोड़े समय के लिए झुकाए, उसकी उपस्थिति और साये में उसकी न्याय शीलता की, अनुग्रह मांगे।

30 ओह परमेश्वर, हमारे धन्य बचाने वाले और पिता, हम तेरे अनुग्रह के सिंहासन के समीप आ रहे हैं। प्रभु यीशु मसीह के नाम में, तेरे पुत्र के समक्ष, इस प्रातः हम स्वयं को दीनता में उपस्थित करते हैं, कि तुझ से अपनी प्रार्थनायें करें और धन्यवाद, उस सब के लिए, जो तूने हमारे लिए किया है। विशेष करके पिछले सप्ताह, हमारे हृदय कैसे भूखे हुए, और लोगों ने उपवास रखा, और पवित्र आत्मा ने उन्हें आशीषित किया, हमारे मध्य में महान कार्य किया! रोगी चंगे किए गए। और परमेश्वर को जाना गया कि, वह जीवता, और वह अपने लोगों से प्रेम करता है।

31 और यह कि भविष्यवक्ता के वचन अब भी इतने सत्य है, जब वह प्रभु परमेश्वर के वचन बोला, जब उसने कहा, "यदि वे लोग जो मेरे नाम के कहलाते हैं एक साथ एकत्र होंगे, और प्रार्थना करेंगे, तो मैं स्वर्ग से सुन लुंगा।" वे शब्द ऐसे ही सत्य है जैसे उन्होंने पहले दिन बोला। प्रभु, हम ऐसा

ही पाते हैं। अब हमें क्षमा करें, हम अपने सारे पापों अपने सारे अविश्वास, जो कि पाप है, प्रार्थना करते हैं।

32 और हम प्रार्थना करते हैं, कि आप हमें उसी विश्वास पर वापस ले आएंगे जिसने उस पहली कलीसिया को एक बार हिला दिया था। सरल आरामदायक जीवन नहीं मांग रहे हैं, परंतु परमेश्वर के अनुग्रह को मांग रहे है, और उसकी उपस्थिति के लिए, और उसकी आशीषे हमारे साथ जाए। चाहे यह इस क्षेत्र में हो या सागर पार चाहे यह प्रचूरता में हो, या सरलता, चाहे यह युद्ध की अगली पंक्ति, कोई बात नहीं यह कहीं भी हो, प्रभु, आपकी छोटी सी इच्छा हमारी आपकी सेवा में परम इच्छा हो। इसे हमें स्पष्ट कर दें, ओह प्रभु, तब हम मार्ग में चूकेंगे नहीं, क्योंकि हम अंधकार और अंधे संसार में चलते हैं, अंधे लोगों के मध्य में। इसलिए पिता, हमारे मार्ग को साफ कर दें, और जैसा आप चाहे हमारी अगुवाई करें, अपने चारागाह की भेड़ की।

33 झुंड के चरवाहे सुंदर और दीनता में अपने लोगों का मार्गदर्शन करें, जैसा कि आज कि प्रातः हम प्रातःकाल के संदेश की प्रतीक्षा करते हैं। होने दे कि पवित्र आत्मा प्रत्येक हृदय से स्पष्ट रूप से बातें करें और उन झलकियो को जो भविष्यवक्ता ने बोली थी पकड़ सके, और तब उसमें होते हुए, परमेश्वर की उपस्थिति की महिमामय आशीषे हर वचन की पुष्टि करें। हम यह यीशु आपके पुत्र, हमारे बचाने वाले के नाम में मांगते हैं। आमीन।

34 आज प्रातः हम अपने श्रोताओं से पूछेंगे, वे जिनके पास बाईबल है, यदि वे मेरे साथ पवित्र वचन को पढ़ना चाहते हैं, या जैसे–जैसे मैं पढ़ता हूं साथ–साथ देखना चाहते हैं, यदि आप यशायाह की पुस्तक निकालेंगे। यशायाह भविष्यवक्ता की पुस्तक और 7वां अध्याय, मैं वचन के इस भाग से पढ़ना चाहता हूं। यशायाह के 7वें अध्याय में, हम 10वे पद में परमेश्वर और अहाज की बातचीत को आरम्भ करेंगे।

फिर यहोवा ने आहाज से फिर से कहा,

अपने परमेश्वर यहोवा से कोई चिन्ह मांग; चाहे वह गहरे स्थान का हो, वा ऊपर आसमान *का हो।*

लेकिन आहाज ने कहा, मैं नहीं मांगने का और मैं यहोवा की परीक्षा ना करूंगा।

तब उसने कहा, हे दाऊद के घराने सुनो! क्या तुम मनुष्यो को उकता देना छोटी बात समझ कर, अब मेरे परमेश्वर को भी उकता दोगे?

इस कारण प्रभु आप ही तुमको एक चिन्ह देगा; सुनो, एक कुंवारी गर्भवती होगी, और पुत्र जनेगी, और... उसका नाम इम्मेनुएल रखेगी।

और जब तक वह बुरे को त्यागना, और भले को ग्रहण करना ना जाने तब तक वह मक्खन–... और... मधु खाएगा।

क्योंकि उससे पहले कि वह लड़का बुरे को त्यागना और... भले को... ग्रहण करना जाने, वह देश जिनके दोनों राजाओं से तू घबरा रहा है... निर्जन हो जाएगा।

35 और यदि मैं मूल पाठ लेने के लिए इस विषय को कहूं, मैं: *एक सर्वोच्च चिन्ह* शब्द को प्रयोग करना चाहूंगा।

36 जब हमारे पास काली धनी रात्रि होती है, और उस समय ऐसा प्रतीत होता है... कि यह रात्रि इतनी अंधकार भरी है, कि हम अपने सामने के हाथ को भी नहीं देख सकते, यह उस समय यह बिजली अत्याधिक चमकती है। यह हमें यह दर्शाने के लिए भेजी जाती है कि अंधकार में भी उजियाला हो सकता है।

37 यह आहाज के राज्य के समय था, एक दुष्ट राजा। और यदि आप ध्यान दें, कि—कि प्रभु ने संदेश आहाज के नाम नहीं दिया, परंतु दाऊद के घराने के नाम है। "हे दाऊद के घराने सुन! यह चिन्ह होगा।" क्योंकि, वे युद्ध में थे, भाई–भाई के विरुद्ध और प्रतीत होता है, कि इस्राएल की यात्रा का घोर अंधकार समय था और उनके परदेसी होने का समय। परंतु परमेश्वर भविष्यवक्ता के द्वारा चिल्लाता है, एक अनंत चिन्ह। अब, चिन्ह बहुत सी बार...

38 लोगों के पास चिन्ह है। और हम चिन्हों से भरे संसार में रहते हैं। मनुष्य ने निश्चित चिन्ह को पाने का यत्न किया। मनुष्य ने अपने वैज्ञानिक खोज के द्वारा, अपनी उपलब्धि के द्वारा, चिन्ह बनाने का यत्न किया, जो कि अतिविशिष्ट होगा, या उसकी बुद्धिमत्ता का स्मारक कि वह कितना महान है, या वह कितना महान बुद्धि वाला है। उसने इसे यह युगों से होते हुए किया है।

39 उदाहरण के लिए, अभी कुछ सैकड़ों वर्ष पहले, जब संसार के समुद्र ज्ञान ने, यह निर्णय लिया कि वे इतने तेज है कि वे संसार को अपनी समझदारी की तकनीक का एक—एक चिन्ह देंगे, कि वे स्वयं एक ऐसा पानी का जहाज बना सकते हैं कि उसे कोई लहर डुबा नहीं सकती। और उन्होंने इस पानी के जहाज को टाईटेनिक कहा। यह संसार की यादगार रहेगा, कि पानी के जहाज बनाने की तकनीक अपनी सिद्धता पर आ चुकी है, ताकि वे संसार को दिखा सके कि यह पानी का जहाज डूब नहीं सकता।

40 इसलिए, बनाने वाले की बुद्धि के आधार पर सारी सुरक्षा के साथ, और उनकी भाषा और बातचीत, और वैज्ञानिक प्रमाण कि यह जहाज डूब नहीं सकता! तब जब लोगों के सामने बातें इस प्रकार रखी गई तो उन्हें—उन्हें ऐसा लगा कि सब कुछ ठीक है, जहां तक वैज्ञानिक अनुसंधान कहता है कि यह बिल्कुल ठीक है।

41 इसलिए वे इस जहाज से समुद्र पार कर रहे थे, और इसकी जल आएगा जल यात्रा, और स्वयं को सुरक्षित अनुभव कर रहे थे कि उन्हें कोई हानि नहीं हो सकती, उन्होंने एक बड़ी शराब की दावत की। और सारे के सारे महिलाएं और पुरुष जो उस पर सवार थे, या, उनमें से बहुत से, मैं कह सकता हूं, मतवाले हो गए; यहां तक कि वे कहते, चालक और कप्तान कहता, और सारे के सारे। और बैंड ने उस—उस जाज के संगीत को बजाया, जो कि उन दिनों कि एक महान सनक थी, जैसे कि आज हम में रोक एन रोल है। क्योंकि, वे सुरक्षित थे, वे जहाज में थे उन लोगों ने संसार को अपनी बुद्धिमानी का एक चिह्न दिया था, कि, "यह जहाज समुद्र की किसी भी लहर को झेल सकता है।"

42 जबकि वे शराब पीने के पूरे उफान में थे, यह कोहरे की ओर बढ़ गया। और कप्तान ने कहा, कि, "हमें इंजनों की जांच कर लेनी चाहिए।" परंतु बड़े अधिकार ने कहा, "इसे सीधा 'बढ़ने दो!' हमें निश्चित निमंत्रण के लिए बंदरगाह पर पहुंचना है।" वह कोहरे में ऐसे जा रहा था, जैसे कि वह हर परिस्थिति में सिद्ध हो, अचानक, वह हिम खण्ड से टकरा गया, और वह पानी में डूब गया।

43 और हमें कवि के द्वारा जिसने गीत लिखा है बताया गया, "परमेश्वर ने अपने सामर्थी हाथ के द्वारा दर्शाया, कि यह संसार स्थिर नहीं रह सकता।"

44 उनकी बड़ी उपलब्धि सागर के नीचे चली गई, जिसमें सैकड़ों–सैकड़ों लोग शराब पीए हुए सवार थे। यह नहीं चलेगा।

45 यह एडोल्फ हिटलर था जिसने जर्मन के लोगों को चिन्ह दिया कि वही कुशाग्र बुद्धि वाला था, वह सारे सैनिक जीवन के विषय में जानता था। और, उसे बिना, मानहानी के उसने उस विषय में बहुत कुछ जान लिया। परंतु उसने जर्मन के लोगों को, हम क्या कहते हैं, मेगिनट रेखा बनाने के द्वारा आश्वासन दिया, या सिफ्रायेडा रेखा के द्वारा, कि उसने करोड़ों टन सीमेंट कंक्रीट और लोहा एक साथ झोक दिया। उसने उसमें अपना विश्वास जताया, कि वह अपना मुख्यालय सामने की रेखा पर ले गया, जहां रेस्टोरेंट और व्यापारिक स्थान नीचे भूमी में संचालित हो रहे थे, जहां करोड़ों टन लोहा और सीमेंट था। कोई मतलब नहीं, कुछ होता रहे, जर्मन किला बंद था। वह सुरक्षा का चिन्ह था। परंतु आधुनिक धमाके ने इसे अनन्तता में उड़ा दिया, और हिटलर उसके साथ।

46 यह निम्रोद था, एक दिन, जिसने कहा कि वह एक मीनार बनाएगा जो उसके लोगों को लाएगा, वह दिखा सकता था कि वह अपनी बुद्धि से क्या प्राप्त कर सकता था। और उसे एक मीनार बनानी थी जो बादलों के पार जाती, यदि कभी परमेश्वर का क्रोध आता, तो वह उसके साथ चतुराई करता। अपने वैज्ञानिक अनुसंधान से, वह पत्थरों को इस प्रकार से सुसज्जित कर सकता था और चट्टानों को इस प्रकार से कि वह लोगों को अपनी बुद्धि से सुरक्षित स्थान में ले जाता। वह भाषाओं की उलझन से विफलता पर लाया गया, और वे उस मिनार को बना कर समाप्त ना सके।

47 वह नबुकदनजर था जिसने बाबुल की दीवार बनाई, और उसके ऊपर घमण्ड किया। इतनी बड़ी थी, कि छ: घोडे और रथों के साथ उस पर चक्कर लगा सकते थे। उसके दरवाजे इतने बड़े थे, कि जब तक आदमी का पसीने के साथ दम ना निकल जाता, सेकड़ो टन पीतल उस फाटकों में लगा हुआ था; उस महान नगर में, वे पुरुषों के झुंड को, उसे खोलने के लिए लेते थे। नबूकदनजर को कोई छू नहीं सकता था। परंतु एक रात्रि, घोर अंधकार में यह सोचते हुए कि वे सुरक्षित है, अपनी उस वैज्ञानिक दीवारों के पीछे, अपने उन समयो के हथियारों के साथ वहां एक हाथ दीवार पर लिख रहा था। और यही अन्त था।

48 ओह, कैसे मनुष्य–मनुष्य को सुरक्षित ले आने का यत्न करता है, स्वयं को सुरक्षित करता है, अपने ही उपलब्धि के चिन्ह के द्वारा। ऐसा लगता है, क्योंकि वे मनुष्य चिन्ह ढूंढ़ते हैं, इसका कोई कारण होना चाहिए; मनुष्य में कुछ है जो किसी कारण या चिन्ह को खोजता है, कि कहीं से वह सुरक्षित हो जाए।

49 तब परमेश्वर बोल पड़ा, कहा कि, "मैं उन्हें एक अनंत चिन्ह दूंगा। मैं कलीसिया को अनंत चिन्ह दूंगा।" यह कोई महान दीवार या मीनार ना थी। उसने कहा, "एक कुंवारी गर्भवती होगी, और पुत्र जनेगी, और उसका नाम 'इम्मेनुएल' रखेगी। यह परमेश्वर का अनंत चिन्ह होगा।" कितना साधारण! कितना छोटा!

50 क्या आप समझते हैं कि यह छोटी सी बात जिसे आप पास से निकल कर छोड़ जाते हैं, परमेश्वर के लिए यह महत्वपूर्ण है? क्या कलीसिया आज प्रातः इसे स्वीकार कर सकती है? संगठन की हमारी उपलब्धि में, और उसकी महान रचनाएं और सर्वोत्तम वस्तुओं में, हम छोटी बातों को छोड़ जाते हैं जो परमेश्वर के लिए महत्वपूर्ण है और हमारे अनंत लक्ष्य के लिए। हम उन बातों को छोड़ जाते है।

51 परमेश्वर यह कह रहा है, "मैं तुम्हें अनन्त चिन्ह दूंगा। एक कुंवारी गर्भवती होगी, और बालक जन्मेगी।"

52 क्यों, क्यों एक बालक, क्यों यह एक—एक बालक होना चाहिए? रचयिता को स्वयं आकर और अपनी रचना में रहना होगा, मनुष्य के लिए एक चिन्ह होने के लिए? इसे बालक ही क्यों होना चाहिए? वह यह क्यों ना कह सका, "मैं एक बड़ी सीढी बनाऊंगा, और तुम सब लोग... जैसे की याकूब का स्वप्न था। या, मैं स्वर्ग से उतरूंगा, स्वर्ग के गलियारे से, एक रस्सी, और तुम्हें सामर्थ दूंगा, ताकि, तुम जब उस से स्वयं को बांध लो तो, मैं तुम्हें ऊपर खींच लूंगा"?

53 परंतु, वह इतनी सादगी में आता है। और कहा, "एक बालक उत्पन्न होगा। यह एक चिन्ह होगा। केवल एक चिन्ह ही नहीं, परंतु यह एक सर्वोच्च चिन्ह होगा।" एक बालक! विज्ञान बुद्धिमानी इस प्रकार के विचार पर हंसेगी। परंतु, परमेश्वर के लिए, यह सर्वोच्च चिन्ह था। "एक कुंवारी गर्भवती होगी, और यह बालक *इम्मेनुएल,* कहलाएगा जिसका अर्थ होगा, 'परमेश्वर हमारे साथ।'" यह सर्वोच्च चिन्ह है।

54 स्वर्ग का परमेश्वर, लोगों के साथ वास कर रहा है, सर्वोच्च चिन्ह है। यह केवल उसी दिन के लिए चिन्ह नहीं होगा, परंतु इस दिन के लिए, और सब समय के लिए कि परमेश्वर अपने लोगों के साथ रहता है। इम्मेनुएल, परमेश्वर हमारे साथ, यह सर्वोच्च चिन्ह है। यह अनंत चिन्ह है, सदा ठहरने वाला चिन्ह, परमेश्वर ने दिया।

55 और वह क्यों मट्टी बन गया, अपनी ही सृष्टि की धूल? सृष्टिकर्ता वह बन गया, अपनी ही सृष्टी की धूल।

56 मनुष्य बड़ी–बड़ी चीजें करने का यत्न करता है। परंतु, जब परमेश्वर ने चिन्ह दिया, यह छोटी–छोटी सी बात थी। मनुष्य बड़ी–बड़ी बातों से मतलब रखता है। परमेश्वर छोटे–छोटे मामलों से मतलब रखता है। मनुष्य यह कहने का यत्न करता है, "क्योंकि हर कोई *इस* ओर जाता है, तो हम ऐसा करें जैसा वे हॉलीवुड में करते हैं।" परमेश्वर अल्पसंख्यक चाहता है। वह बड़ी–बड़ी चीजों को—को छोड़ देना चाहता है, कि छोटों को ग्रहण करें।

57 "एक बालक उत्पन्न होगा, छोटा इम्मेनुएल उत्पन्न होगा।" सृष्टी का परमेश्वर अपनी ही सृष्टी का भाग बन जाता है। परमेश्वर, स्वर्ग और पृथ्वी का सृष्टिकर्ता, जिसने भूमि और पेड़ो को बनाया, और सारी चीजें, और उसका भाग बन गया। यह एक चिन्ह होगा, वह मनुष्य के मार्ग के जरिये से आएगा।

58 अब, वह किसी और मार्ग से भी आ सकता था। वह दूसरी विधी से मार्ग से आ सकता था, दूसरी के—के जो उसके आने का था।

59 परंतु उसने यही मार्ग चुना कि चिन्ह को दे, सर्वोच्च चिन्ह। "एक कुंवारी गर्भवती होगी, और पुत्र जनेगी, और वे उसे 'इम्मेनुएल कहेंगे।"' अब, यह किस लिए था? किस कारण?

60 उसने स्वर्गदूत बनना क्यों नहीं चुना? वह यह कर सकता था। वह एक—एक पूर्ण परिपक्व मनुष्य की तरह आ सकता था। वह स्वर्ग के दूतो की पूरी सलामी के साथ, और समस्त स्वर्गीय प्राणियों के साथ; स्वर्ग के गलियारे से, सोने की सीढ़ी से होता हुआ उतर सकता था, वह स्वर्गदूतो के संगीत के साथ उतर सकता था। वह यह कर सकता था।

61 परंतु उसने कहा, "मैं तुम्हें एक चिन्ह, एक सर्वोच्च चिन्ह दुंगा, सदा का चिन्ह। एक कुंवारी गर्भवती होगी, और पुत्र जनेगी।"

62 और जब उसे वह स्थान चुनना था कि यह बालक जन्म ले। वह सीढ़ी से नीचे उतर सकता था, पूरे स्वर्गीय सम्मान के साथ। वह स्वर्ग से स्वर्गदूत के समान उतर सकता था, या पूरे परिपक्व व्यक्ति के समान। परंतु वह, राजा के महल में भी आ सकता था।

63 परंतु उसने कहा, "मैं एक चिन्ह दूंगा।" और चिन्ह चरवाहों को बताया गया, "तुम उसे एक चरनी में पाओगे, कपड़े में लिपटा हुआ।" यह सर्वोच्च चिन्ह, जिसने गोबर के ढेर, और खत्ते की बदबू में, अपने लिए यहां तक की कोई कपड़ा भी नहीं, वह इम्मेनुएल। शैतान बड़ी–बड़ी चीजें बनाना चाहता है और चमकदार। परमेश्वर चीजों को दीनता में रखता है। एक सर्वोच्च चिन्ह, "तुम बालक को पशुओं वाले कपड़े में लिपटा हुआ पाओगे, चरनी में पड़ा है। यह चिन्ह होगा, सर्वोच्च चिन्ह।" जब वह पृथ्वी पर था, तो बहुत ही निर्धन था। हम कैसे कठिन समय की बात करते हैं? यह छोटा सा कौन है? यह यहोवा है!

64 यहोवा परमेश्वर मनुष्य बन गया, हमारे ही ढांचे को ले लिया स्वयं परमेश्वर की रेखा पार कर, और मनुष्य बन गया। यह चिन्ह है। बना... वह परमेश्वर था, और मनुष्य बन गया; धनी मनुष्य नहीं, निर्धन मनुष्य। यह सर्वोच्च चिन्ह है। "तुमने चिन्ह मांगा," परमेश्वर ने कहा, "मैं तुम्हें एक और सदा का चिन्ह दूंगा।"

65 नहीं तो जैसा मैंने कहा वह आ सकता था, परंतु, एक बालक, वह क्यों एक बालक बन गया? जब उस छोटे पहिलोठे ने, बिना दातों वाला मुंह चरनी में खोला, उस पहले... बड़े दिन की सुबह, अपनी छोटी सी चरनी की खोर में और पहली छोटी सी चीख उसकी आवाज से निकली, वह परमेश्वर रो रहा था। यहोवा रोने वाला, मनुष्य; परमेश्वर की ओर से आया, और मनुष्य था, हर तरह से मनुष्य। संसार में खाली हाथ, परंतु फिर भी मनुष्य। वह क्या करने का यत्न कर रहा था? उसका क्या उद्देश्य था?

66 वह चरनी में, एक बालक की नाई रोया। वह गली में, एक लड़के के समान खेला। उसने मनुष्य के समान, परिश्रम किया परंतु फिर भी वो इम्मेनुएल था। वह सर्वोच्च चिन्ह है। परमेश्वर अपनी सृष्टि में जिसे उसने रचा उस में रह रहा है। वो सर्वोच्च चिन्ह, "यह तुम्हारे लिए चिन्ह होगा।"

67 वह इतना निर्धन था, जब वह पृथ्वी पर आया, वह स्त्री का मांगे हुए गर्भ से आया, एक स्त्री का मांगा हुआ गर्भ। गड़ने के लिए उसने किसी

की कब्र ली। परमेश्वर! "एक कुंवारी गर्भवती होगी, बिना संसर्ग के अपने कर्तव्य को करने के लिए।" ताकि वह चिन्ह दे सके, यहोवा ने महिला एक मरियम का गर्भ मांगा और पृथ्वी पर इतना निर्धन था। अपने साढे तैतीस वर्ष की सेवकाई के बाद और उसे अपने गड़ने के लिए, दूसरे की कब्र लेनी पड़ी। क्या आप कल्पना कर सकते हैं? निष्कलंक गर्भधान की बात करते हैं, तेरा क्या अर्थ है, जो भी हो?

68 क्या आप वास्तविक के देख सकते हैं? यह यहोवा हम में से एक बन गया। यहोवा परमेश्वर पृथ्वी पर है, उस पर जिसे उसने रचा क्षणिक परदेसी के समान; त्यागा हुआ, और निकाला हुआ, और उस पर हंसा गया, ठट्ठा उड़ाया गया; अविश्वासी के लिए ठोकर का कारण, ठोकर की चट्टान; एक शैतान, धार्मिक संसार के लिए। परंतु विश्वासी के लिए अनंत चिन्ह, "परमेश्वर हमारे संग," एक सर्वोच्च चिन्ह। क्या आप इसे देखते हैं? परमेश्वर प्रगट हुआ, परमेश्वर ने स्वयं को संसार के सामने उपस्थित किया एक घूमने वाले के समान। किसी और मार्ग से आ सकता था, परंतु इसी मार्ग को चुना।

इसे सुने। इससे चुके नहीं।

69 मैं सोचता हूं कि परमेश्वर अपने विचार में, वह मनुष्य जाति से अनुरोध करता होगा। यह विश्वासी के लिए है। यह अनुरोध ही है जब हमारा परमेश्वर हम में से एक बन गया। परंतु, औपचारिक, अभक्ति लोगों के लिए ठोकर का कारण है। "मैं तुम्हें एक चिन्ह दूंगा, एक कुंवारी गर्भवती होगी। इम्मेनुएल तुम्हारे साथ होगा।" परमेश्वर ने सोचा यह मानव जाति के लिए अनुरोध होगा, कि हमारा परमेश्वर हम में से एक बन गया, कि वह अपने आप में से बाहर गया और हमारी मिट्टी बन गया, कि वह हमारे मूल में से हो गया, एक मनुष्य मूल; सृष्टिकर्ता जिसने सारी वस्तुएं बनाई।

और, फिर, उसने भविष्यवाणी को पूरा किया। भविष्यवक्ता ने इसे देखा।

70 और दूसरी बात, "वचन धूल बन गया, शरीर और हमारे मध्य में वास किया।" यहोवा, वचन मनुष्य हो गया, हमारे साथ मिट्टी और मंदिर हो गया। *अनंत* चिन्ह, "कभी समाप्त नहीं होगा।" ओह, और जब हम इस विषय में सोचते हैं, एक अनंत चिन्ह, सब चिन्हों में सर्वोच्च चिन्ह, परमेश्वर हम में से एक हो गया।

71 तब, फिर उसे, अब्राहम का वंश होना चाहिए। अब्राहम, अवश्य ही हवा का वंश था। हवा... "हवा का वंश था जिसे सर्प के सिर को कुचलना था।" परंतु, अब्राहम यदि तुम इसे समझ सको, उसका विश्वास परमेश्वर में था जो कि परमेश्वर के आत्मा से जुड़ गया मनुष्य के शरीर के साथ। यही जहां से विश्वास आता है। वह क्यों अब्राहम का वंश हो सका, ना की सारे लोगों का केवल आत्मा और शरीर के आपस में मिल जाने से। परमेश्वर, स्वयं को बना रहा था... सारी बुराईयों को तोड़ रहा था, उखाड़ रहा था शरीर के अधीन ला रहा था, वह मिट्टी जिसकी उसने सृष्टि की, और आपके साथ एक—एक संभागी होकर निवास करें।

72 दूसरी बात उसने कभी भी अपनी व्यवस्था को ना तो तोड़ा ना विरोध किया। वह यह नहीं कर सकता। इसलिए, "एक कुंवारी। मैं तुम्हें एक चैन न दूंगा।" टाईटेनिक का नहीं, यू. एन. का नहीं, पर, "मैं तुम्हें सुरक्षा का चिन्ह दूंगा। एक कुंवारी गर्भवती होगी, और वह एक पुत्र को जन्म देगी, उसे 'इम्मेनुएल' कहेगी।'" यही चिन्ह है। जी हां।

73 आप परमेश्वर की छुटकारे की योजना में देखिए जैसे कि यह बोआज और नियोमी में था, इसमें एक करीबी रिश्तेदार होना था। और केवल एक मार्ग था कि मनुष्य बचाया जा सकता था, कि परमेश्वर ही करीबी रिश्तेदार बन जाता, बिल्कुल समीप का। मैं चाहता हूं कि आप इसे देखें। वह कभी भी धनी और सामर्थी का रिश्तेदार ना बना। परंतु वह चरनी में जन्मा और पशुओं वाले वस्त्र में लपेटा गया; वह केवल बड़ों का ही नहीं, परंतु बालकों का। वह सृष्टि का परमेश्वर था। उसने यह करने के लिए चुना, वह पूरे परिपक्व मनुष्य के समान नहीं आया। वह आया कि छोटे बालकों की भावनाओं का अनुभव कर सकें। वो आया कि बढ़ते हुए बालकों की परीक्षाओं में से निकल सके। वह उन शैतान की कठिन–कठीन परीक्षाओं में से निकल सके, एक मनुष्य के समान, और सारे युगों, और आयु के सारे वर्गों: निर्धन और धनी सब लोगों के लिए मार्ग बनाएं। वह निर्धन हो गया, ताकि उसकी निर्धनता से, हम धनी हो जाए और राज्य में उसके साथ वारिस हो जाए। एक चिन्ह दिया जाएगा, स्वयं को पार करके स्वयं को जो वह था उससे भिन्न बनाएं; अब एक सर्वोच्च चिन्ह, एक बालक के समान रो रहा है, एक लड़के के समान खेल रहा है, मनुष्य के समान परिश्रम कर रहा है, परंतु वह परमेश्वर है जीवन की हर परिस्थिति में जी रहा है जो हम जीते हैं।

74 आप जानते हैं, परमेश्वर ने बहुत सारे चिन्ह दिए कि वह परमेश्वर था। उसने जल प्रलय से पहले लोगों को चिन्ह दिया, कि वह परमेश्वर था, न्याय का परमेश्वर। उसने नूह के दिनों के लोगों को डूबा दिया, और धार्मिक को नाव में तैरा दिया; एक चिन्ह कि वह धर्मी था, और न्याय अवश्य था। यह चिन्ह है, कि हर बिना प्रायश्चित किया हुआ पापी न्याय में नाश होगा, कि धर्मी परमेश्वर के अनुग्रह से बचाया जाएगा।

75 उसने जलती झाड़ी में एक दूसरा चिन्ह दिया। यह क्या था जब उसने अपने भागे हुए भविष्यवक्ता को पकड़ा, "मैंने अपने लोगों कि चिल्लाहट को सुना है, और मैंने अपनी वाचा को स्मरण किया है"? उसने वहां दूसरा चिन्ह दिया, कि वह वाचा को बनाए रखने वाला परमेश्वर है, वह अपनी हर कही गई बात को स्मरण रखता है, हर प्रतिज्ञा को जो उसने की। जलती झाड़ी पर चिन्ह दिया, "और मैं उन्हें छुड़ाने के लिए उतर आया हूं।"

76 देखिए परमेश्वर अपने कार्य पर है। जब उसने स्वर्ग और पृथ्वी सृष्टि की, उसने समस्त स्वर्गदूतों को एक साथ बुलाया, और उसने कहा, "आओ हम।" पवित्र शास्त्र में हर स्थान में जहां उसने कुछ किया, "मैं नहीं, परंतु मेरा पिता।"

77 परंतु जब वह छुटकारे की योजना पर आया, तब वह अकेला आया। उसके साथ और कोई नहीं था। वही केवल एक था जो आ सकता था। एक स्वर्गदूत यह नहीं कर सकता था। दूसरा मनुष्य, अपने पुत्र को बुलाया, यह नहीं कर सका। एक ने किसी और को पुकारा, एक पवित्र कुंवारी या एक पवित्र मां या—या कोई संत यह नहीं कर सकता था। परमेश्वर को ही आना था! "और मैं तुम्हें एक चिन्ह दूंगा। एक कुंवारी गर्भवती होगी; और बालक जन्म लेगा, और वह इम्मेनुएल होगा, परमेश्वर हमारे साथ," सर्वोच्च चिन्ह। परमेश्वर अपने लोगों में। परमेश्वर अपने लोगों के साथ। परमेश्वर अपने लोगों के समान हो गया। परमेश्वर और मनुष्य एक हो गए। एक चिन्ह! संसार के लिए ठोकर का कारण, परंतु विश्वासियो के लिए धन्य आशा। एक चिन्ह जिसकी भर्त्सना की जाएगी।

78 एक और समय था जो उसने सिद्ध किया। उसने बाढ़ में सिद्ध किया कि वह न्याय का परमेश्वर है, और जो उसकी आज्ञा का पालन करते हैं उनके लिए अनुग्रहकारी परमेश्वर।

79 उसने जलती हुई झाड़ी में दर्शाया, एक चिन्ह के द्वारा, कि वह अपनी हर प्रतिज्ञा को पूरा करें जो उसने की।

80 और लाल सागर पर, उसने दर्शाया कि वह उसके उनके लिए मार्ग बनाएगा जो उसकी आज्ञाओं का पालन करते हुए यही कार्य कर रहे थे। कोई मतलब नहीं उसका चाहे जो उसे अलग करें, परमेश्वर ने लाल सागर पर सिद्ध कर दिया, और एक चिह्न दिया कि वह सागर को खोल सकता था। हर परीक्षा में, वह बचने का मार्ग बनाएगा। कहते हैं, "मां इसका विश्वास नहीं करती। पिताजी इसका विश्वास नहीं करते। कलीसिया इसका विश्वास नहीं करती।" मैं चिंता नहीं करता कि कौन विश्वास नहीं करता। यदि आप इसका विश्वास करते हैं, तो परमेश्वर बच निकलने का मार्ग निकालेगा। उसने एक चिह्न दिया कि वह करेगा। क्योंकि वे सीधे अपने प्रतिज्ञा के देश के मार्ग पर थे, जहां परमेश्वर ने उनसे प्रतिज्ञा की थी। और लाल सागर ने उनका मार्ग रोक दिया था, और वे संकट में पड़ गए। वे नहीं जानते थे कि क्या करें। परमेश्वर ने दर्शाया कि वह हर परीक्षा में से निकलने के लिए मार्ग तैयार करेगा, हर परीक्षा में से। आप धुम्रपान नहीं छोड़ सकते? एक बार परमेश्वर को ले। झूठ बोलना नहीं छोड़ सकते, चोरी करना नहीं छोड़ सकते, गुस्सा करना नहीं छोड़ सकते? एक बार अपने साथ परमेश्वर को ले ले। यदि आपको आराधनालय जाने की इच्छा नहीं होती, और आप कहीं भी नहीं जा सकते; एक बार अपने साथ परमेश्वर को ले ले, उसकी प्रतिज्ञा को ले ले। उसने यह लाल सागर पर सिद्ध किया है, कि वह बच निकलने का मार्ग निकालेगा। परमेश्वर ने बहुत सारे चिन्ह दिए।

81 उस रात्रि उसने चरवाहों से कहा, "बेतलहम को जाओ, क्योंकि आज मसीह बचाने वाला जन्मा है। मसीह, अभिषिक्त परमेश्वर, आज के दिन स्त्री के द्वारा जन्मा है।" परमेश्वर!

82 अब, उसे ईश्वर नहीं बना रहा था। उसने केवल एक स्त्री के गर्भ को लिया था, ऐसे ही जैसे उसने *इस* शरीर को सुसमाचार प्रचार करने के लिए लिया है। वैसे ही जैसे उसने आपके शरीर को, उन कार्यों को करने के लिए लिया है जो वह आपके द्वारा करना चाहता है, क्योंकि वह अब भी इम्मेनुएल का चिन्ह है, परमेश्वर अपने लोगों के साथ। परमेश्वर अपने लोगों के मध्य में रह रहा है, वह सर्वोच्च अनंत चिन्ह। यह कभी भी असफल नहीं हो सकता। यह हमेशा चिन्ह ही रहेगा।

83 आप इन चिन्हों के विषय में बात कर रहे हैं, इस चिन्ह के विषय में क्या है? इससे पहले कि आप दूसरा चिन्ह पा सके, अन्य भाषा में बोलने का चिन्ह, भविष्यवाणी करने का चिन्ह किसी भी, अलौकिक चिन्ह से पहले, आपको उस मूल चिन्ह पर अनंत और सदा के चिन्ह पर वापस जाना होगा। आरंभ करने से पहले, ठीक सीधे हो जाए और इस नीव पर जो की युगो की चट्टान है, इसे कभी भी कोई नहीं छू सकता। अधोलोक के फाटक इसके विरुद्ध होंगे, परंतु जयवंत नहीं हो सकते। उस चिन्ह को ले ले, "एक कुंवारी गर्भवती होगी, और पुत्र जनेगी।"

84 और उसने उन गडरियों को बताया, "आप उसे कैसे पाओगे। वह एक चरनी में होगा, गौशाला में, कपड़े में लिपटा हुआ। और जब तुम उसे देखो, तो उसका विश्वास करना, क्योंकि वह हमारे मध्य में परमेश्वर है।"

85 यह चिन्ह केवल चरवाहों के लिए नहीं था। परंतु यह समस्त संसार के लिए दिया गया कि उसे देखे कि वह कौन है। यह परमेश्वर हमारे संग इम्मेनुएल है।

86 जब वह यहाँ पृथ्वी पर था तो उसने सिद्ध कर दिया कि वह परमेश्वर था। सिद्ध किया कि परमेश्वर उसमें था, क्योंकि परमेश्वर के चिन्ह उसके द्वारा प्रगट होते थे। उसने कहा, "यदि मैं अपने पिता के कार्य ना करूं, तो मेरा विश्वास मत करो। यदि मैं अपने पिता के कार्य करता हूं, यदि तुम मेरा विश्वास नहीं करते हो तो उन कामों, चिन्हों का विश्वास करो।" इम्मेनुएल! "मैं और पिता एक है। मेरे पिता ने मुझे भेजा है। और जैसे उसने मुझे भेजा है, वैसे ही मैं तुम्हें भेजता हूं। पिता, जिसने मुझे भेजा, मेरे साथ है। वह मुझ में है और अपने कार्य स्वयं करता है। यह परमेश्वर देह में है।"

87 क्या विनाश से पहले लूत ने उसका स्वाद ना चखा था? जब, उसने परमेश्वर को देह में प्रगट होते देखा, बछडे का मांस खाया, गाय का दूध पिया, यहां की रोटी खाई, और तम्बू की ओर पीठ करके खड़ा हुआ, और व्यक्तिगत सर्वनाम "मैं।" "मैं, देखते हुए कि वह इस पृथ्वी का वारिस है, मैं... " दूसरे शब्दों में, "मैं यह उस पर प्रगट करूंगा।"

88 वह कौन था? तब उसने कहा, "अब्राहम, तेरी पत्नी कहां है, साराह? " इससे वह अचंभित हो गया। परमेश्वर, मसीह की पहले की छाया में देहधारी हुआ।

कहा, "वह तेरे पीछे तंबू में है।"

साराह हंसी। और उसने कहा, "साराह तू क्यों हंसी? "

89 जब इम्मेनुएल स्त्री के गर्भ से होते हुए, बजाए थियोफनी में प्रगट होने के, उसने कहा, "जैसा लूत के दिनों में था, इसी प्रकार मनुष्य के पुत्र के आने के दिनों में होगा।"

90 जब वह पृथ्वी पर था, वे चेले सुसमाचार के साथ गए, तो यहां तक कि स्वर्गदूत भी स्वर्गदूत भी स्वर्ग की सीढ़ियों के जंगलों महिमामय देश के, गलियारों से इसे देखते थे। आज जो वचनों को लिख रहे हैं, जैसा कि मैं आप लोगों को लिखते हुए देखता हूं, पहला तीमुथियुस 3:16। "बिना विवाद के भक्ति का भेद गंभीर है: परमेश्वर जो देह में प्रगट हुआ, संसार में उस पर विश्वास किया गया, स्वर्गदूतो को दिखाई दिया।" स्वर्गदूतो ने परमेश्वर का दर्शन करने के लिए उठे। एक बार उन्होंने अपनी छड़ियाँ उसके सम्मुख हिलाई, और, "पवित्र, पवित्र, पवित्र," चिल्लाए, जब वह वहां बैठा हुआ था, जैसे कि आप का खम्भा उस महिमामय स्वर्ग में। और जब वह मनुष्य बन गया, तो स्वर्ग दूत उसे देखने के लिए आए, यहोवा देहधारी हो गया। निश्चय ही, "बिना विवाद के भक्ति का भेद गंभीर है।"

91 "मैं तुम्हें एक अनंत चिन्ह दूंगा," क्योंकि परमेश्वर हमारे मध्य में देहधारी हुआ। वह देह में हमारे मध्य में रहा। यह सदा का चिन्ह होगा। केवल गडरियो के लिए ही नहीं कि उसे देखें और विश्वास करें, परंतु ब्रंहम टेबरनेकल तुम्हारे लिए, और इस क्रूर संसार के लिए, कि विश्वास करें कि वह परमेश्वर है। परमेश्वर ने यह चिन्ह दिया। यीशु ने कहा, "जैसे की जीवित पिता ने मुझे भेजा है, और मेरे साथ आया है, और मुझ में था ऐसे ही; मैं तुम्हें भेजता हूं, जीवित पिता तुम्हारे साथ जाता है और तुम्हारे अंदर है, एक अनंत चिन्ह। विश्वास करने वालों के यह चिन्ह होंगे। देखो, मैं तुम्हारे साथ हूं, तुम्हारे अंदर इस पृथ्वी के अंत तक। मैं तुम्हारे साथ होऊंगा। जगत के अंत तक, मैं वहां तुम्हारे साथ होऊंगा।"

92 कोई जैसा कि मैंने पहले कहा, उसे छोटा, छोटे कद का परमेश्वर बनाना चाहता था। वह मनुष्य था; परमेश्वर मनुष्य को प्रयोग कर रहा था। परमेश्वर देह को प्रयोग कर रहा था, जिसकी उसने स्वयं सृष्टी की थी, ताकि उसी के द्वारा सृष्टि करें, "और उसके द्वारा बहुत से पुत्रों को ले आए," वचन यह कहता है, "उस आज्ञाकारी पुत्र के द्वारा। एक पुत्र के

द्वारा, सब गिर गए थे। परंतु आज्ञाकारी पुत्र के द्वारा, सब जीवित रहेंगे, जो विश्वास करेंगे।"

"परमेश्वर हमारे संग," एक चिन्ह, कहा यह एक चिन्ह होगा। इसलिए वह स्वयं को "मनुष्य का पुत्र," के समान उल्लेख करता है, स्वयं मनुष्य, केवल एक मनुष्य। "मैं कुछ नहीं हूं; पुत्र स्वयं से कुछ नहीं कर सकता।" परंतु यह पिता उसमें था, इम्मेनुएल, परमेश्वर।

93 वह—वह बालक, परमेश्वर, यहोवा, परमेश्वर। वह छोटा बालक रोया, वह यहोवा था। क्या आप यह देख सकते हैं? परमेश्वर बालक में निवास करता है।

94 परमेश्वर किशोरावस्था में निवास करता है। वह किस प्रकार का किशोर था? उसने उदाहरण दिया। जब उसका पिता उससे अलग हो गया और उसकी मां, वे उसे पाने के लिए खोजने लगे, और उन्होंने उसे मंदिर में पाया। एक किशोर के समान, उसने क्या कहा? "क्या तुम नहीं जानते? क्या तुम उत्सुक नहीं हो कि मुझे अपने पिता के कार्य में लगा रहना है?" किशोरों के लिए उदाहरण।

95 एक मनुष्य के समान, संसार के सारे वैभव उसके सामने प्रस्तुत किए गए, उसके हाथों में हर चीज दे दी गई, कि सब मनुष्यो में महान और धनी बन जाए; कौन लोगों को बता सकता है कि कहां मछली के मुंह में सिक्का है, कुओं से अच्छा पानी निकाल सकता था और मैं बना सकता था, वह उससे चाहे जो भी बदल लेता; वह पांच रोटी लेकर और पांच हज़ार को खिला सकता था। उसके हाथों में महान बनने की सामर्थ थी, परंतु फिर भी निर्धन होने का चुना। जब मरा तो कब्र भी ना थी। उसे एक मांगनी पड़ी। "इम्मेनुएल, यह एक चिन्ह होगा।" परमेश्वर कैसे आता है? गरीबी में। परमेश्वर कैसे व्यवहार करता है? यह एक अनंत चिन्ह होगा, निर्धनता और अशिक्षा के साथ।

96 "एक चिन्ह," महान भविष्यवक्तनी, हन्ना ने कहा, जब शमौन ने मंदिर में अपने हाथ उठाएं, और उस छोटे को जो कपड़े में लिपटा था गोद उठाया। हन्ना कहती है, "यह चिन्ह है जिसके विषय में बुरा कहा गया, इस्राएल के गिरने का कारण, परंतु फिर से एकत्र किया गया, अन्य जातियों के लिए भी एक ज्योति।"

97 क्या? "परमेश्वर हमारे संग," धन और घमंड में नहीं, परंतु निर्धनता में। चरनी में उत्पन्न हुआ, "परमेश्वर हमारे साथ।" उसने किस प्रकार के कार्य किए? उसकी बातों को देखिए, उसने कहा। उसे देखिए, उसने क्या कहा।

98 परमेश्वर ने स्वयं कहा, "यह मेरा प्रिय पुत्र है, तुम इसकी सुनो। यह मेरा प्रिय पुत्र है जिसमें रहने के लिए मैं प्रसन्न हूं। तुम इसकी सुनो।" उसने कहा, "मैं सदा तुम्हारे साथ हूं, अंत तक।"

99 उसने अपने चेलों को भेजा। उन्होंने अपने दिनों में पृथ्वी को जला दिया, जैसा कि परमेश्वर मनुष्य के साथ एक था। उन्होंने लोगों को परमेश्वर के नाम यीशु मसीह में बपतिस्मा दिया। वह उनके इतने समीप रहा जब तक की उसने स्वयं को उनके द्वारा प्रकट नहीं कर दिया, चिन्हो और आश्चर्यकर्म और पवित्र आत्मा के वरदान। "परमेश्वर हमारे साथ।" उन्होंने प्रचार किया कि केवल एक ही सच्चा और जीवित परमेश्वर है।

100 तीन या चार या दो ईश्वरो पर मनुष्य ने सब प्रकार की ऊंची–ऊंची मीनारे बना ली, परंतु वहां एक परमेश्वर है। संदेश को इन अंतिम दिन में दोहराना था।

101 अच्छा हो कि आप अब अपने विचारों को ले, और अपने ह्रदय खोले। परमेश्वर से कहें कि यह आप पर प्रगट करें, मैं क्या कहने वाला हूं।

जब वह आता है, तो जो भविष्यवक्ता ने कहा है उसको पूरा करता है।

102 और जब वह अंतिम दिनों में आ रहा है, परमेश्वर की अंतिम वर्षा, जबकि पहली और अंतिम वर्षा होगी, वह बिल्कुल ठीक उसी प्रकार से आएगा, जैसी उसके लिए भविष्यवाणी की गई थी। "ये सांझ के समय उजियाला होगा।" क्या होना था? इम्मेनुएल, वही पुत्र, वही उजियाला, वही परमेश्वर जो शरीर में आकर रहा, अपने लोगों के साथ उस पेंटीकोस्ट के दिन, उसी प्रकार से अंतिम दिनों में आएगा, क्योंकि यह सांझ का उजियाला होगा। यह क्या है? एक चिन्ह, एक अनंत चिन्ह होगा: परमेश्वर हमारे साथ, परमेश्वर हमारे अंदर, परमेश्वर हमारे द्वारा। परमेश्वर और मनुष्य एक हो गए। यीशु मरा, उसने अपना बहुमूल्य जीवन, अपने निर्णय से दिया। (पिछले रविवार के संदेश में।) क्योंकि, उसने यह एक निर्णय के लिए दिया, ताकि वह बहुत से पुत्रों को परमेश्वर के पास ले आए। इम्मेनुएल हमारे संग। सांझ के उजियाले के लोग, यह उन्हें आकर्षित करेगा।

103 जब परमेश्वर ने चिन्ह दिया तो, "यह एक चिन्ह होगा। परमेश्वर देह में वास कर रहा है।" उसने सोचा कि यह लोगों को आकर्षित करेगा। इसने किया। "क्योंकि जितनो ने उसे ग्रहण किया, और उनको उसने अपने पुत्र होने का अधिकार दिया।"

104 और इसे सांझ के उजियाले वाले लोगों को आकर्षित करना है जब वही उजियाला दिखाया गया। परमेश्वर और मसीह एक है। पतरस ने कहा, "तुम्हें यह मालूम हो, कि परमेश्वर ने इसी यीशु को जिसको तुमने क्रूस पर चढ़ाया, प्रभु और मसीह दोनों बनाया।" एक चिन्ह, जिसकी भर्त्सना की गई, परंतु सांझ का उजियाला यहां पर है।

105 एक दिवंगत सुसमाचार का सेवक होने के नाते, जब पेंटीकोस्टल संदेश पहले गिरना आरंभ हुआ, तो दिवंगत डॉक्टर हैयवूड, इसके थोड़ा सा पहले... वह मेरा अनुमान है... हो सकता है जब वे अपने अच्छे समय में जब आत्मा उन पर था। वे प्रचारक के साथ–साथ कवी भी थे। उसने कलम उठा कर यह लिखा।

ये सांझ के समय उजियाला होगा,
महिमा का मार्ग आप निश्चय ही पाएंगे;
आज जल के मार्ग से ही उजियाला है,
यीशु के मूल्यवान नाम में गढ़ जाओ।
युवा और बूढ़े, अपने पापों का प्रायश्चित करो,
और पवित्र आत्मा अवश्य भीतर आएगा;
क्योंकि सांझ का उजियाला आ चुका है,
यह सत्य है कि परमेश्वर और मसीह एक है।

106 सांझ का उजियाला! यदि हम सांझ के उजियाले में चल रहे हैं, तो सांझ का चिन्ह, तो फिर यह वही उजियाला होगा और वही चिन्ह, एक अनंत चिन्ह। तो फिर सांझ के उजियाले में वही चिन्ह होंगे। व्यूह! क्या आप देखते हैं? क्या आप इसे समझ सकते हैं? इस बड़े दिन का यही संदेश है। सांझ का उजियाला, मसीह के चिन्ह इसके साथ–साथ है, संदेश के साथ है। सांझ के उजियाले यहां पर है।

107 इसको बुरा कहा गया। वे आपको निकाल देंगे, आपके भाई। किसने उसको निकाला? उसके भाइयों ने। वे उसको आश्चर्य कर्म करते देखना पसंद करते थे। परंतु जब वह कलवरी पर आया, तब वे सब कहां थे? जब

वह संकट की घड़ी में आया, जहां परमेश्वर अपने सत्य में था और उसकी बाईबल को प्रगट होना था, वे कहां थे? वे लौट गए।

108 "एक चिन्ह तुम्हें दिया जाएगा। और यह चिन्ह ऐसे होंगे। जो कार्य में करता हूं, तुम भी करोगे; इससे भी अधिक, क्योंकि मैं अपने पिता के पास जाता हूं।"

109 "सांझ के समय फिर से उजियाला होगा।" ओह, यह अन्धकार दिन जिसमें होकर हम निकले! परंतु चालीस वर्षों से बादल छट रहे हैं, उस पहले सुधार के कार्य में से होते हुए, इस संदेश को सामने लाते हुए कि परमेश्वर और मसीह एक है, वह परमेश्वर देह में प्रगट हुआ। उसने मानव देह में रहने को चुना। और आज वे उसे सिंहासन पर बैठा हुआ कुछ बनाते हैं, वे उसे इतिहास का कुछ बनाते हैं, उनमें से कुछ उसे पुराना ज्ञानी बनाते हैं, कुछ उसे भविष्यवक्ता बनाते हैं। परंतु, भाई, वह परमेश्वर आप में है, परमेश्वर देह में प्रगट हुआ। कैसे?

110 उन्हें कैसे मालूम पड़ा कि वह देह में परमेश्वर था? उसने कहा, "यदि मैं अपने पिता के कार्य ना करूं, तो फिर मैंने तुम्हें गलत बताया। यदि मैं अपने पिता के कार्य करता हूं, तो तुम इसका विश्वास करो।"

111 और अब वही चीज। अंत के दिनों में संदेश दोहराया जा रहा है, वह कौन है यह संदेश, वह क्या है। इम्मेनुएल तुम में वास कर रहा है, उन्हीं कार्यों के साथ जो उसने किए, स्वयं को आपके द्वारा प्रगट कर रहा है, वही चीजें जो उसने की। यह सांझ का उजियाला है। इसकी आलोचना की गई है। यह कठिन मार्ग है।

112 यह धनी युवा शासक के लिए कुछ अर्थ रखता था, तौभी वह अपने हृदय में प्यासा था, कि यीशु के पास आए, और कहा, "रब्बी, अनंत जीवन पाने के लिए मैं क्या करूं? "

कहा, "आज्ञाओ का पालन कर।"

उसने कहा, "मैं यह लड़कपन से मानता आया हूं।"

कहा, "तो फिर तू सिद्ध होना चाहता है? " कहा, "मेरे पीछे हो ले।"

113 परंतु वह उदास हो कर चला गया। यह बहुत ही मूल्यवान था। यदि वह उसे कुछ पैसे दे सकता और एक बड़ा आराधनालय बना सकता, कहीं पर स्वयं को उसका सदस्य बनाता, तो वह इसे सरलता से कर देता। क्या

आप नहीं देखते कि आज के धनी लोगों के बीच यह कैसा उदाहरण है? वहां और भी थे।

114 केवल धनी ही नहीं, परंतु निर्धन भी; उनमें से बहुत से गंदी कीचड़ से थे, उन्होंने लोकप्रियता के कारण अस्वीकार कर दिया। क्योंकि, वह लोकप्रिय नहीं था। वह इम्मेनुएल था। उन्होंने कहा, "यह आलोचना है। यह—यह शैतान है। यह मस्तिष्क को पढ़ना है। यह—यह बालजबूल है।" उस दिन का गुरु, उनके महान आराधनालय ने कहा, "अर्थहीन।"

115 परंतु परमेश्वर ने कहा, "यह एक अनंत चिन्ह है, सर्वोच्च चिन्ह, सारे चिन्हों का चिन्ह, कि परमेश्वर आपके साथ है, और तुम्हारे अंदर है, जगत के अंत तक।" यह आपका सर्वोच्च चिन्ह है। यह सारे चिन्हों से आगे है। यह पहला चिन्ह है। प्रेरित 19, उन लोगों को वापस आना था और उस चिन्ह को पहचानना था, इससे पहले कि वे पवित्र आत्मा को प्राप्त करते, प्रेरितों के कार्य 19:5। तौभी विश्वासी जिसके पास बाईबल थी, और अच्छा प्रचारक था जो यह सिद्ध करता था कि यीशु मसीह था, तौभी इससे पहले वे इस में आते... और चिन्ह को देखते, उन्हें आना था और फिर से बपतिस्मा लिया, और उनके ऊपर हाथ रखे और पवित्र आत्मा पाया। यह सत्य बात है।

116 परंतु सांझ के समय, उजियाले यहां है। और इसकी आलोचना की गई। इसका उपहास उड़ाया गया। इसकी बुराई की गई। भविष्यवक्ता ने कहा इसे बुरा कहा जाएगा, "एक ठोकर की चट्टान।" बुरा कहा गया, उपवास उड़ाया गया, आलोचना की गई; इम्मेनुएल हम में है, अपनी इच्छा को हम में से होकर पूरी कर रहा है।

117 ओह, आज, मेरे परदेसी भाई बहनों, इस चिन्ह का विश्वास करो। अपने हृदय की चरनी में देखो, और देखिए यदि आप स्वयं में कहने योग्य है। उस चिन्ह को देखें जो चरवाहे ने देखा। परमेश्वर देह में, निर्धनों के मध्य में रह रहा है, दरिद्र, निकाला हुआ। देखिए यदि आप इसे समझ सकते हैं। परमेश्वर आपके हृदय में, परमेश्वर यहां *अंदर।* ध्यान दें और देखें यदि वह स्वयं को मिठास, और दीनता में प्रगट करें, जैसे उसने किया।

118 कुछ वर्षों पहले, एक लड़की थी जो कॉलेज छोड़ गई, और, अपने बहुत सारे साथियों के साथ, वहां वह थोड़ी तेज हो गई, अपने पुराने गांव की शिक्षा से जैसे कि गांव के घर पर उसकी मां थी। और एक दिन दो वर्षों पश्चात, उसने निर्णय लिया कि अपनी मां से फिर मिले उसने अपना तार

भेजा। और उसे बताया कि वह अमुक– अमुक रेलगाड़ी से उससे मिलने आ रही है, स्टेशन पर। जो भी है, वह एक और तेज लड़की को अपने साथ लाई। और वह अपने वहां अपने में बहुत तेज हो गई थी। और अपने साथ एक और को लाई, वह आधुनिक प्रकार की कोमल सी थी, आप जितनी किशोरियाँ है, जानती है।

119 और जब वह स्टेशन पर पहुंची, जब वह रेलगाड़ी से नीचे उतरने लगी, तो उसने देखा। और वहां उसकी मां खड़ी थी, अपने पूरे उससे जो उसमें था, देख रही थी, कि उसकी पुत्री कहां थी। तब वह लड़की जो उसके साथ थी, मां ने... उसे अपने चेहरे के निशानो के साथ देखा, और उसके हाथ सब जले हुए थे। और वह बहुत ही बूढी दिखाई पड़ी, और भयानक सी दिखाई पड़ रही थी। और वह लड़की जो इस छोटी मेरी के साथ थी, उससे कहा, "आश्चर्य वह बूढी घृणित दिखाई पड़ने वाली कौन है? "

120 और लड़की को अपनी माँ लज्ञा आ गई। उसने कहा, "मैं नहीं जानती। मैं नहीं जानती वह कौन है।"

121 और उसकी मां ने जब उसे देखा, अपनी पुत्री को देखा तो उसके पास दौड़ी और अपनी बाहें उसके चारों ओर डाल दी, और उसे चूमने लगी।

122 उसने धक्का दिया, कहा, "मैं तुम्हें नहीं जानती। तुमने गलत व्यक्ति को पकड़ लिया, " क्योंकि वह स्वयं की ऐसे व्यक्ति के साथ पहचान कराना नहीं चाहती थी कि कोई उस पर हंसे और उसका उपवास उड़ाए।

123 एक ऐसा हुआ, एक व्यक्ति, रेलगाड़ी का संवाहक पास में खड़ा हुआ था। उसने उस युवा महिला को कांधे पर से पकड़ा। उसने कहा, "तेरे लिए लज्ञा की बात है, तू अभागी लड़की! मुझे घटना अच्छी तरह याद है।"

124 और क्या हुआ लोग सुनने के लिए एकत्र हो गए। और उसने लड़की को पकड़ा, और उसने कहा, "यह युवा लड़की जब यह छ: महीने की थी, उसकी झोपड़ी के ऊपर के कमरे में। और उसकी मूल्यवान मां, बहुत ही सुंदर स्त्री जो मैंने कभी देखी, " उस बूढ़े कंडक्टर ने कहा। "और घर में आग लग गई जब उसकी मां कपड़े सुखा रही थी। और पड़ोसी चिल्लाते हुए दौड़े। उन्होंने यह देखा। मैंने ध्यान नहीं दिया। वह घर के गलियारे की ओर थी। और आग प्रबल हो गई थी, और यह ऊपर हवा में लपटें उठ रही थी।"

125 और बताया कि, "वे उन्मत मां को ना रोक सके। उसका बालक ऊपर था।" और कहा, "सब के सब चिल्लाए कि, 'आप उन—उन लपटों को पार नहीं कर सकोगी।' परंतु उसने वह चादर जो उसके हाथ में थी ली, और जहां वह लटकी थी वह गीली थी। और उसने इसे चारों ओर लपेटा, और लपटों में से होकर निकल गई, सीढी के ऊपर पहुंची, अपने जोखिम को ना देखा। जब वह वहां पहुंची तो उसने देखा कि गीली चादर को अपने और उस पर नहीं लपेट सकती कि वापस आ जाए। परन्तु, अपनी लड़की की सुंदरता को बचाने के लिए जो की वह होने वाली थी, उसने बालक को चादर में लपेटा, और लपटों में से होकर नंगे चेहरे, और हाथों के साथ भागी। और उसके शरीर का मांस जल गया, और गाल जलकर हड्डियों से चिपक गया, और झुलसा दिया, उसके बाल जल गए, और वो—वो... उंगलियों की हड्डियां।"

126 कहा कि, "वह कुरूप हो गई ताकि तुम सुंदर हो जाओ। उसने अपनी सुंदरता का दण्ड भरा, उसने हर चीज का भुगतान किया, जो उसके पास थी ताकि वह तुम्हें बचा ले। और तुम खड़ी हुई और इस मूल्यवान मां से लज्ञा रही हो? "

127 भाई, जब मैं परमेश्वर को देखता हूं, स्वर्ग के परमेश्वर को अपना सिंहासन, अपनी सुंदरता, और वह सब जो उसका था; गंदगी के ढेर पर जन्मा और पशुओ के कपड़े में लपेटा गया, अपने चिन्ह के द्वारा उपहास बना, और उसके आश्चर्य कर्म, शैतान के कहे गए; क्या मैं उससे लजाऊं? नहीं, श्रीमान। यह शानदार संसार जो वे चाहे करें। मेरे लिए, वह सर्वोच्च चिन्ह है। मुझ में से पवित्र आत्मा चिल्लाता है। यह मुझसे कुछ अजीब करवा सकता है, इस संसार अनुसार पागल मनुष्य हो सकता हूं, परंतु मैं उसका इनकार नहीं कर सकता। जिसने मेरे लिए बहुत कुछ किया। मृत्यु में उसने मेरा स्थान ले लिया। कलवरी पर उसने मेरा स्थान ले लिया। उसने यह सब कुछ किया वह स्वर्ग से, उस सफेद मोतियों के सिंहासन से सिमट कर मनुष्य बन गया; कि मेरे कष्ट को चखें, मेरी परीक्षाओं में से हो कर निकला, यह जानकर कि किस प्रकार का सही मध्यस्थ मुझ में हो, मुझे अनंत जीवन में ले जाने का मार्गदर्शन। और उसकी निर्धनता के द्वारा, मैं धनी बना। उसकी मृत्यु के द्वारा, मुझे जीवन मिला, अनंत जीवन मिला।

128 उसका इनकार ना करें। उससे ना शर्माए। उससे ना लजाये। परंतु

उसका आलिंगन करें, और कहें, "हां, मेरे प्रिय प्रभु, मुझे उनके समान जो पेंटीकोस्ट पर मिला मुझे दे दे, प्रभु। मुझे पवित्र आत्मा दे। मेरे हृदय पर उड़ेल दे। चिंता ना करें कि किशोर क्या कहते है। मैं चिंता नहीं करता कि संसार क्या कहता है। मैं उनको नहीं देख रहा हूं। मैं आपको देख रहा हूं।" यह क्या है? कलीसिया में सम्मलित होना? नहीं। वह सर्वोच्च चिन्ह, इम्मेनुएल, परमेश्वर हमारे साथ है।

आइए प्रार्थना करें।

129 इस प्रातः लोगों की इस सभा में, क्या कोई है, जो यह कहना चाहेगा, "अपने लिए, मैं अपने जीवन से लज्जित हूं। मैं उससे नहीं लजाता। मैं अपने जीवन से लजाता हूं," उसे चढ़ाता हूं जो बदसूरत बना था, और संसार का ठुकराया हुआ?

130 "एक दुःखी मनुष्य, रोगों से उसकी जान–पहचान थी। हम सब ने अपना मुख उससे छिपा लिया," भविष्यवक्ता ने कहा। "वह ठुकराया और अस्वीकार किया हुआ था। तब भी, हमने उसका आदर किया परमेश्वर के द्वारा मारा और कूटा हुआ। तब भी, वह हमारे अपराधों के कारण घायल किया गया, और हमारे अधर्म के कारण कुचला गया; हमारी शांति के लिए उस पर ताड़ना पड़ी, और उसके कोड़े खाने से हम चंगे हुए।"

131 क्या आप उससे ले लजाएंगे? यदि आप, तो वेदी पर आए और अपने पापों से प्रायश्चित करें। यदि आप उससे नहीं लजाते, और आप अपने जीवन से लजाते हैं जिससे आपने उसका प्रतिनिधित्व किया, ऐसी भयानक बात। आप अपने स्वामी के सामने बहुत बार लजाए; अपनी महिला मित्र के सामने, अपने पुरुष मित्र के सामने, अपने लड़की या लड़के मित्र के सामने। आप उस इम्मेनुएल से जो आप में वास करता है, लजाते है। तो अपने हाथों को उठाकर कहे, "परमेश्वर, मैं लजाया इसके लिए मुझे क्षमा करें।"

132 हमारे प्रभु और हमारे परमेश्वर, हम दीनता पूर्वक और अनुग्रह से आपसे कहते हैं कि आज प्रातः, हमारी क्षमा को स्वीकार करें, क्योंकि हमारी सारी घंटियां, हम इस सारे समय दोषी रहे हैं। हम सत्य के लिए खड़े होने में दोषी है। हम दोषी हैं। जब वे हमें बुरे नाम से पुकारते हैं, जैसे, ओह, "पवित्र शोर मचाने वाले," या कोई और बुरी बात जो वैसी नहीं है, तब हम कभी पतरस के समान पिछड़ जाते हैं और गुस्सा करते हैं, शत्रु के आक्रमण पर। प्रभु, हमें क्षमा करें।

133 नया वर्ष हमारे समीप आ रहा है। होने दे कि इसी घड़ी से हम आरंभ करें, और परमेश्वर के सर्वोच्च चिन्ह को अपने मध्य में देखते हैं, परमेश्वर हमारे साथ रह रहा है, परमेश्वर हम में रह रहा है, और ठीक वैसे ही कार्यों को कर रहा है जैसे उसने किए। और सांझ के उजियाले यहां है।

हमारी घटियों को क्षमा करें। हमारे पापों को क्षमा करें।

134 और हम बहुत ही शालिनता से, प्रभु, आपके जन्म के, बड़े दिन के उपहार को स्वीकार करते हैं, परमेश्वर का पुत्र हमारी देह में वास करता है, हमारी मिट्टी में, कि हमारे साथ रहे, अपने मार्ग को अपने ही लहू के द्वारा पवित्र कर रहा है, और हमें अनंत जीवन का विश्वास दिला रहा है। हम तेरा धन्यवाद करते हैं। मैं तेरा धन्यवाद करता हूं, प्रभु क्योंकि यह महान आश्चर्यजनक उपहार परमेश्वर की ओर से है, यह दान पवित्र आत्मा का दान है, सारे प्रभु यीशु के नाम में बंद है। हम इसे पाकर आनंदित है। हम तेरा धन्यवाद देते हैं क्योंकि हमारी कलीसिया इस चिह्न का पक्ष लेती है, क्योंकि चिन्ह कलीसिया की शिक्षा का पक्ष लेता है। हम इसका पक्ष लेते हैं। यह हमारा पक्ष लेता है। और आज यह समस्त संसार में मसीहो के मध्य में जाना जाता है, 8वीं और पेन स्ट्रीट के अनपढ़ और निर्धन लोगों के झुंड का जेफरसनविले में; कि वह इम्मेनुएल, आग का खंभा उस जंगल से, गलील का यीशु, पेंटीकोस्टल का पवित्र आत्मा, सांझ के उजियाले में सारे इम्मेनुएल के चिन्हों के द्वारा प्रगट हो रहा है। प्रभु, हम तेरे बहुत ही धन्यवादित है। और होने पाए कि दूसरे इसे देखें और ग्रहण कर सके। क्योंकि, हम यह यीशु के नाम में मांगते हैं, उसके लिए और कलीसिया के लिए। आमीन।

135 मैं चाहता था कि मेरे पास गाने वाली आवाज होती। यदि अभी मेरे पास गाने वाली आवाज हो तो, मैं अपना प्रिय गाना गाता, वह गाना जो मेरे मूल्यवान मित्र, विलियम बूथ–क्लिबबोर्न ने लिखा है।

उसकी महिमा से, सदा जीवित रहने वाली कथा,
मेरा परमेश्वर और मेरा बचाने वाला आया, और यीशु
उसका नाम था।
चरनी में जन्मा, अपनों में अनजाना,
दुःखी परमेश्वर, आंसू और यंत्रणा।

ओह मैं कैसे उसे प्रेम करूं! कैसे उसकी आराधना करूं!
मेरा जीवन, मेरे सूर्य की चमक, मेरा सब कुछ!
महान सृष्टिकर्ता मेरा बचाने वाला हो गया,
और परमेश्वर की सारी परिपूर्णता उसमें निवास करती है।

क्या ही कृपालता है, हमारे लिए छुटकारा लाई;
जब मृतकों की रात्रि में, एक भी आशा ना थी दृष्टि में;
(तो फटती हुई ज्योति आई!)
परमेश्वर मूल्यवान, कोमल, अपनी शान को एक ओर रख दिया,
चरनी तक झुक गया, गोबर से भरी गौशाला, जन्म लेने के लिए।
प्रेम जताने के लिए झुक गया, कि मेरे प्राण को जीत ले और बचा ले।

ओह मैं उससे कितना प्रेम करता हूं! मैं उसकी आराधना करता हूं!
मेरी सांस, मेरे सूर्य की चमक, मेरा सब कुछ!
महान सृष्टिकर्ता मेरा बचाने वाला बन गया,
और परमेश्वर की परिपूर्णता उसमें निवास करती थी।

136 और तब वह मुझ में है, और मैं उसमें। और तुम में... "उस दिन तुम जानोगे कि मैं पिता में, और पिता मुझ में है, और मैं तुम में, और तुम मुझ में," परमेश्वर, इम्मेनुएल, हमारे साथ।

137 यह इम्मेनुएल था जिसे अभी–अभी जोर्ज राईट ने वहां बैठे हुए देखा; वहां पड़े हुए मर रहा था, जब चार डॉक्टरों ने उसे छोड़ दिया। तो यह वह इम्मेनुएल था, जब उसे एक गर्भ मांगना पड़ा, जब उसे एक—एक कब्र मांगनी पड़ी। उसने मेरी आंखें मांगी, और कहा, "जाकर भाई जोर्ज को बताओ, '**यहोवा यों कहता है**। कि वह उन प्रचारको की कब्र खोदेगा और जो उस पर हंस रहे हैं।'"

138 यह वही इम्मेनुएल था। यह वही था, उस दिन जंगल में छोटे जानवर के विषय में। यह वही था, जिसने मार्जी मोरगन जो वहां बैठी है, और बाकी सारे। यह वही था जिसने बुद्धि का भाग मांगा, देश की ज्ञान इंद्रियों मांगी,

कि स्वयं को आज संसार को प्रस्तुत करें, आपके द्वारा, जबकि सांझ के उजियाले चमक रहे है। मित्र, परमेश्वर अनुग्रहकारी है।

139 मैं आपका अधिक समय ले रहा हूं। आइए यत्न करें। हमें स्वर दे, "ओह मैं उससे कितना प्रेम करता हूं!" आप में से कितने इसे जानते हैं?

ओह मैं उससे कितना प्रेम करता हूं! मैं उसका कितना
आदर करता हूं!
मेरा जीवन, मेरे सूर्य की चमक, मेरा सब कुछ!
महान सृष्टिकर्ता मेरा बचाने वाला बन गया,
और परमेश्वर की सारी परिपूर्णता उसमें निवास करती
है।

[भाई ब्रंहम गुनगुनाना आरंभ करते हैं *वहां उसकी महिमा से*—सम्पा।]

मैं उसका कितना आदर करता हूं!
मेरा सांसे, मेरे सूर्य की चमक, मेरा सब कुछ!
महान सृष्टिकर्ता मेरा बचाने वाला बन गया,
और परमेश्वर की सारी परिपूर्णता उसी में वास करती
है।

140 अब यह समय है उसके लिए कि अपना अनुग्रह दर्शाए। एक मां एक छोटा बालक ल्युकीमिया के साथ यहां आई है, कैंसर उसके लहू में है। यह देह के लिए खराब है?

परमेश्वर, मेरी आवाज को सुनता है, कि मैं बोलता हूं, और यह ऐसा ही होगा।

क्योंकि, प्रभु, आपने कहा, "इस पहाड़ से कहा कि, 'हट जाए।' और सन्देह ना करें। तो यह हो जाएगा।"

परमेश्वर के पुत्र यीशु मसीह के नाम में, मैं इस शैतान को निकम्मा ठहराता हूं, जो ल्युकीमिया कहलाता है। इस बालक के देह का रोग, यह चला जाएगा। इसे इसको छोड़ना ही होगा। यीशु मसीह के नाम में, ऐसा ही हो।

... मेरे सूर्य की चमक, मेरा सब कुछ!
महान सृष्टिकर्ता मेरा बचाने वाला हो गया,
और परमेश्वर की सारी परिपूर्णता उसमें निवास करती है।

141 मैं उसे कितना प्रेम करता हूं! मैं बस इसे जाने नहीं दूंगा। मैं याकूब के समान, इसे पकड़ लूंगा।

... श्रद्धा रखता हूं!
मेरी सांस, मेरे सूर्य की चमक, मेरा सब कुछ!

"यह एक चिन्ह होगा।"

महान सृष्टिकर्ता बचाने वाला बन गया,
और परमेश्वर की सारी परिपूर्णता उसमें वास करती है।

142 क्या यह आश्चर्यजनक नहीं है? क्या आप उसकी आराधना की जाए ऐसा अनुभव नहीं करते? बस आत्मा में, उसकी आराधना करें। अब स्वयं को भूल जाए। शर्माए नहीं। पवित्र आत्मा यहीं पर है। यह पवित्र आत्मा है। अपने ही तरह से दीन हो जाए।

महान सृष्टिकर्ता मेरा बचाने वाला बन गया,
और परमेश्वर की सारी परिपूर्णता उसमें वास करती है।

आप यही है।

क्या ही कृपालता है, हमें छुटकारे में ले आया; ("यह एक चिन्ह होगा।")
जब मृत्यु की रात्रि में, दृष्टि में एक भी आशा ना थी;
परमेश्वर, मूल्यवान, कोमल, अपनी शान को एक ओर रख दिया, (सोचिए उसने क्या किया!)
प्रेम आग्रह के लिए झुक गया, और मेरे प्राण को जीत ले और बचा ले।

143 जब हम इसे कहते हैं तो अपने हाथों को उठा ले।

ओह मैं उससे कितना प्रेम करता हूं! मैं उसका आदर
करता हूं!
मेरी सांस, मेरे सूर्य की चमक, मेरा सब कुछ!
महान सृष्टिकर्ता मेरा बचाने वाला हो गया,
और परमेश्वर की सारी परिपूर्णता उसमें वास करती
है।

144 प्रभु, हम इस योग्य कभी नहीं हो सकेंगे कि तेरी आशीषो, तेरे आत्मा की भरपुरी को समझ पाए, जब तक हम उसे उस दिन जब वह आएगा नहीं देखेंगे। हो सकता है हम मिट्टी में से सो रहे हो। मुझे अपनी मूल मिट्टी में वापस जाना पड़ सकता है, परंतु इससे मुझे तनिक भी चिंता नहीं। "मैं जानता हूं कि वह मुझे पुकारेगा, और मैं उत्तर दूंगा। और तब मैं उसे देखुंगा जैसा कि वह है। यह नाशवान देह बदल जाएगी और उसकी महिमा की देह के समान हो जाएगी, जहां कि वह सारी चीजें अपने अधीन कर लेगा।"

145 मैं बड़े दिन के उपहार मसीह के लिए अपने हृदय में सदा आभारी रहूंगा, यह जान कर कि यह वही मसीहा है, क्योंकि वह वही कार्य करता है। वह मुझे उन्हीं कार्यों को करने का अनुभव कराता है, जो उसने आरंभ में किए, अपने दास को।

146 मैं विश्वव्यापी कलीसिया के लिए धन्यवादित हूं, वह विजय, जो पहले से ही तय है, और बुलाई गई है, और मोहर बंद करके, और उस देह के लिए अभिषेक कर दी गई है। मैं उन्हें एशिया, अफ्रीका, रोम, हर कहीं, इंडियाना, राज्य में होते हुए, अफ्रीका, संसार में। हर जगह मैं पाता हूं कि, कलीसिया जयवन्त है कौन जानता है, कि आप शरीर में आए हैं। और आपने कहा कि, "हर आत्मा... " अपनी बाईबल में, आपने कहा, "हर आत्मा जो इसे स्वीकार नहीं करती, कि वह गलत आत्मा है, मसीह विरोधी। हर आत्मा जो इसकी वही गवाही नहीं देती कि मसीह हमारे शरीर में आया, वह मसीह विरोधी आत्मा है।"

147 पिता, परमेश्वर मेरी सहायता करें कि—कि उन भड़काने वालों को बाहर झटक दू। प्रभु, मैं उन्हें देख सकता हूं, वहां बाहर। कोढियो को दरवाजे पर देखता हूं, सामने भारत में, देखता हूं, ताज पर उस द्वार पर, वे निर्धन सड़क पर खीचड़ रहे हैं, पैर नहीं है। उन काले निर्धन लड़कों को सामने देखता हूं, अफ्रीका में, उनके छोटे हाथ ऊपर उठ रहे हैं। ओह परमेश्वर,

मुझे भेज, प्रभु। स्वर्गदूत को कोयले की आग के साथ आने दे, कि मेरे प्राण में आग लगे, प्रभु, सारे कूडे और आलस को ले ले और मैं परमेश्वर के एक—एक अशांत के समान जाऊं, कि उन लोगों को आग में से जो घने अंधकार में से निकाल लाऊं।

148 प्रभु, मेरी छोटी कलीसिया को आशीषित करें। ओह, मैं यहां से बुरादे की लकीर को यहां से होते हुए नीचे जाते देख सकता हूं, और मूल्यवान लोगों को देखता हूं। लोग कारों से चल रहे हैं, उन पर हंस रहे हैं, क्योंकि वे अपने हाथ उठाए हुए, परमेश्वर की महिमा कर रहे हैं। परंतु एक दिन यीशु आएगा, और सब चीजें ठीक हो जाएगी। हम शर्मायेंगे नहीं, प्रभु। हम उस पुराने पौलुस के साथ सम्मलित होंगे, और कहते है कि, "मैं यीशु मसीह के सुसमाचार से नहीं लजाता, क्योंकि उद्धार के लिए यह परमेश्वर की सामर्थ है, अनंत जीवन के लिए, प्रत्येक के लिए जो विश्वास करता है।" पिता, हमें उस प्रकार जीवित रहने के लिए हमारी सहायता करें। अब हम आत्मा में स्वर्गीय स्थानों में, आपकी आराधना कर रहे है। हम आज प्रातः के उस आने के लिए आपको धन्यवाद देते हैं। यीशु के नाम में। आमीन।

149 केवल एक बार, और क्या आप करेंगे?

ओह मैं उससे कितना प्रेम करता हूं! मैं कितना... (प्रभु यीशु, ... ? ... यीशु के नाम में।)

... मेरा सब कुछ!
महान सृष्टिकर्ता मेरा बचाने वाला हो गया,
और परमेश्वर की सारी परिपूर्णता उसमें वास करती है।

150 मैं उसको और अधिक चाहता हूं, डो क्या तुम नहीं? [बहन डिलोरी कहती है, "हां।"—सम्पा।] यह मेरी बहन है, यह शरीर में मेरी बहन है।

ओह कितना...

मेरी पुत्र वधु। वे अधिक से अधिक परमेश्वर को चाहते हैं। भाई ग्रिमस्ले आ रहे हैं, परमेश्वर को और चाहते हैं।

... मेरा सब कुछ...

यहीं है। भाई वुड आ रहे हैं। भाई कोलिन्स, मैथोडिस्ट प्रचारक, उसकी पत्नी, दूसरे।

... मेरा बचाने वाला हो गया।

यह पवित्र आत्मा का कार्य है, स्वयं बुला रहा है।

... उसमें वास करता है।

ओह मैं कितना प्रेम...

अब इसे अपने ही तरह से प्रगट करें।

... मैं उसकी कितनी आराधना करता हूं!
मेरी सांस, मेरी सूर्य की चमक, मेरा सब कुछ!
महान सृष्टिकर्ता मेरा बचाने वाला हो गया,
और परमेश्वर की सारी परिपूर्णता उसमें निवास करती है।

151 प्रभु, प्रभु, यहां तेरी चरागाह की भेड़े हैं। प्रभु, इन्हें अपनी आत्मा पर भोजन खिला। प्रभु, यह लोग स्वयं को तुझे दे रहे हैं। यह अपने जीवन को तेरे लिए पवित्र कर रहे है। ये खड़े हैं क्योंकि ये लोग तेरे यीशु मसीह के सुसमाचार से नहीं लजाते। हम जानते हैं कि तू यहां है, महान अग्नि स्तंभ, मसीह, पवित्र आत्मा।

... उसकी आराधना करता हूं!
मेरी सांस, मेरे सूर्य की चमक, मेरा सब कुछ!
महान सृष्टिकर्ता मेरा बचाने वाला हो गया,
और परमेश्वर की सारी परिपूर्णता उसमें वास करती है।

152 बस अब अपने ही शब्दों में बोले। यह पवित्र आत्मा है जो आपको यहां लाया है। उसे बताएं कि आप उससे प्रेम करते है। वही पवित्र आत्मा जिसने उन्हें पेंटीकोस्ट पर उठाया, आप यहां खड़े हुए चिल्ला रहे हैं, रो रहे हैं, आनंद कर रहे हैं।

महान सृष्टिकर्ता मेरा बचाने वाला हो गया,
और परमेश्वर की सारी परिपूर्णता उसमें बात करती है।

बिना अनइच्छा के मांस और लहू उसका तत्व है, (उस महिला में एक छोटा बालक।)
योजना उसने मनुष्य का स्वरूप धारण किया, छिपी हुई योजना को प्रगट कर दिया।
ओह महिमामय भेद, कलवरी का बलिदान,
और अब मैं जानता हूं कि तू वह महान "**मैं हूं**" है।
ओह मैं कितना... (ओह परमेश्वर!) मैं उसकी आराधना करता हूं!
मेरी साँस, मेरी सूर्य की चमक!
मेरा सब कुछ महान सृष्टिकर्ता मेरा बचाने वाला हो गया,
और परमेश्वर की सारी परिपूर्णता उसमें वास करती है।

153 ओह उसे प्रेम करो, मुझे जाने दो रोको मत उस पकड़ से प्रेम करता हूं, मेरा ह्रदय किसी भी चीज से परे है, पवित्र आत्मा के उपस्थिति की मिठास; जबकि उसकी कलीसिया वेदी के चारों ओर खड़ी है, आराधना कर रही है चरनी में देख रही है, उसी चीज को देख रही है, जो बुद्धिमान ज्योतिषियों ने देखा, परमेश्वर देहधारी बन गया।

... मेरा बचाने वाला बन गया,
और परमेश्वर की सारी परिपूर्णता उसमें वास करती है।

154 यदि आपके जीवन में कुछ गड़बड़ है, तो उसे अब पवित्र आत्मा की उपस्थिति में स्वीकार कर लो, जब वह शांति से। आपके ह्रदय की ओर देख रहा है, देखिए यदि वहां चरनी होती तो उसकी आलोचना होती, आपके इस स्वीकार करने पर कि वह परमेश्वर है।

... परमेश्वर की सारी परिपूर्णता उसमें वास करती है।

155 अपने झुके हुए सिरों के साथ, स्वयं उससे प्रार्थना करें। यह पवित्र आत्मा है। क्या आप परमेश्वर के आत्मा की दीनता और सज्जनता, मिठास, लंबे जीवन में अनुभव नहीं कर सकते?

156 "भाषाएं हो, तो जाती रहेगी। भविष्यवाणी हो तो असफल हो जाएगी। जहां ज्ञान है, यह असफल हो जाएगा। परंतु जब प्रेम आता है, वह सदा

स्थिर रहता है।" "प्रेम सहता है। यह स्वयं की डींग नहीं मारता। यह फूलता नहीं। यह अनरीति नहीं चलता। परंतु हमें नम्र बनाता है, हमें मीठा बनाता है, आपके प्राणों में मिठास भरता है।"

157 आइए हम में से प्रत्येक अपनी तरह से प्रार्थना करें, परमेश्वर का धन्यवाद करें जो कि उसने किया है।

158 ओह प्रभु, इस गीत की मिठास, जो स्वरों द्वारा प्रगट की गई है, यह अनिश्चित शब्द नहीं है, परंतु शब्द जिसका अर्थ हमारे लिए है, वह जो हमारा परमेश्वर है, जैसा कि वचन ने इसे प्रगट किया है। संगीत इसे प्रगट करता है। प्रभु अब हमारे ह्रदय इसे प्रगट करते हैं, हमारी मनोवृति आपके लिए। हम आगे आते है। वे अपने पैरों पर खड़े होते हैं। वे आपसे प्रेम करते हैं। प्रभु, हम मिलकर आपकी भेड़ों की नाई खड़े हैं, आपकी चराई की भेड़े। हमें यह भोजन पसंद है, यह हमारे प्राणों के लिए अच्छा है। और हम जानते हैं कि परमेश्वर हमारे साथ रहता है। हम जानते हैं परमेश्वर ने स्वयं को मसीह में उड़ेल दिया, और मसीह ने स्वयं को कलीसिया में उड़ेल दिया।

159 और आज हम यहां खड़े हैं, जबकि सब प्रकार के धर्म और सब प्रकार के—के नामधारी और अवस्थाएं, और सब प्रकार के विश्वास, परंतु फिर भी वचन स्वयं बोल रहा है, परमेश्वर प्रगट हुआ। सर्वोच्च चिन्ह जो परमेश्वर ने अब भी अपने लोगों की देह से प्रगट किया, उन्हीं चिन्हों और आश्चर्य कर्मों को कर रहा है, बादल के रूप में प्रगट हो रहा है, एक खंभा, हमारे मध्य में रह रहा है, हमारे विचारों को परख रहा है, आने वाली बातों को बता रहा है, हमारे रोगो को चंगा कर रहा है, हमें स्वर्ग से इतना बांध रहा है कि हम अपने आपे से बाहर हो गए हैं। जब तक की हम संसार के बालकों के लिए विचित्र कार्य ना करें; वे कैसे पास खड़े होकर हंसते हैं, और सोचते हैं कि हम पागल है, जैसा कि उन्होंने पेंटीकोस्ट पर किया था, कह रहे थे, "क्या यह सब नशे में नहीं? "

परंतु मैं उसे कितना प्रेम करता हूं! मैं उसे कितना आदर
देता हूं!
मेरी साँस, मेरी सूर्य की चमक, मेरा सब कुछ!

महान सृष्टिकर्ता मेरा बचाने वाला हो गया,
और परमेश्वर की सारी परिपूर्णता उसमें वास करती
है।

160 क्या आप अपने हाथों को उठाएंगे अब आपके विश्वास की शपथ परमेश्वर में, आपकी वाचा परमेश्वर से, आपकी निष्ठा और सत्यता परमेश्वर से, कलीसिया से?

161 प्रभु हम, अब हम स्वयं को आपके सामने उपस्थित करते हैं, आपके प्रगटीकरण की इस आशीष के पश्चात, जानते हुए कि परमेश्वर अब भी हमारे शरीरो से प्रगट हुआ है। वह हमारी मिट्टी बन गया, वह हमारा मूल तत्व बन गया; उसने स्वयं को पार कर मनुष्य बन गया ताकि मनुष्य उसमें जीवित रहे। और आज प्रातः हमने आपको अपनी आत्माओं में अनुभव किया है। हम आपके कार्यो और आपके प्रकटीकरण को देखते हैं। हम आपसे प्रेम करते है। हम आपसे अपनी शपथ को दोहराते है: कि आपका सम्मान करें, आपसे प्रेम करें, और हर वह कार्य करें जो हम जानते हैं कि कैसे करें, वह प्रसन्न करने वाला, जीवन जीने वाला, वह एक मसीही के समान होगा, वह कोई बुराई ना लाएगा, परंतु एक आशीष होगी, आपके महान पवित्र नाम के लिए। प्रभु, हम यह तेरे बालक के समान करते हैं, यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

162 इससे पहले कि आप अपने बैठने का स्थान ले मैं आपसे कुछ पूछना चाहता हूं। क्या आपने कभी ऐसी मीठी भावना का पहले अनुभव किया है? पवित्र आत्मा की मिठास! किसी को एक शब्द नहीं कहना है; केवल स्वयं उठ कर, सामने आ रहे हैं। परमेश्वर की महिमा हो! देखा?

163 मैं इस पर दो दिन से प्रार्थना और अध्ययन कर रहा हूं। इससे भी अधिक। पिछले रविवार से, या, पिछले, हां, रविवार।

164 कैसे वह सर्वोच्च चिन्ह, परमेश्वर ने कैसे कहा कि, "मैं उन्हें एक चिह्न दूंगा। कि मैं उनकी देह में होऊंगा। मैं उनके समान होऊंगा; वे मेरे समान होंगे।" उसने कहा स्वर्गदूत देखते है। या कहा... स्वर्गदूतों ने चरवाहों से कहा, "चरनी में देखो तुम देखोगे, कि मेरा क्या अर्थ है।" यह चिन्ह केवल स्वर्गदूतो के लिए नहीं था। यह केवल गडरियो के लिए नहीं था। यह संसार के लिए था, कि देखें और विश्वास करें कि परमेश्वर देह में वास करता है।

165 और इस शरीर को चढ़ाने के द्वारा, वह हमारे शरीरो को पवित्र करता है, ताकि वह हमारे भीतर आकर रह सके। परमेश्वर आपके अंदर। मसीह आपके अंदर। "देखो, जगत के अंत तक, मैं तुम्हारे साथ हूं।" इसे ना भूले। अपने ह्रदयो में रखे।

166 मुझे कुछ बढ़िया अच्छे बड़े दिन के उपहार प्राप्त हुए हैं, एक चलचित्र का कैमरा, और बहुत सी दूसरी चीजें, बंदूकें और दूसरी चीजें, लोग मुझसे प्रेम करते हैं, वे मुझे देते है। मैं कैसे इसकी सराहना करूं!

167 परंतु, ओह, यह अनंत जीवन धन्य आशा कि मसीह हम में जीवित है, कि उसकी परिपूर्णता हमारे भीतर वास करती है, हमें उठा कर हमसे भिन्न व्यवहार करवाती है। क्योंकि, आप, जब आप यह करते हैं, तो आप संसार की वस्तुओं से भागते हैं। आप परदेसी हो जाते है। आप संसार की वस्तुओं के लिए स्वयं को मृत समझते हैं, और नए जीवन में रहते हैं। अब आप इस संसार में परदेसी है। आप परदेसी है क्योंकि आपने अपने व्यवहार से स्पष्ट कर दिया है, कि, "यह वह नगर है जिसका रचने और बनाने वाला परमेश्वर है।" देखा? और संसार की आप इन चीजों की अधिक चिंता नहीं करते, परंतु हम स्वर्गीय लोग उस नगर की बाट देख रहे हैं जिसका रचने और बनाने वाला... परमेश्वर का है। हम अब्राहम के वंश के हैं क्योंकि हमने प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास किया है, और संसार की वस्तुओं के लिए मर गए हैं, और उसकी समानता में फिर से जी उठे है; कि वैसे चले जैसे अब्राहम चला आने वाले नगर को ढूंढते हैं, परमेश्वर के वचन को ले रहे हैं, हर वस्तु को विरोधात्मक कहते है, विशेष दूतों को अपने घर में, जैसे अब्राहम ने किया, परमेश्वर के दूत, जो संदेश को लाएं। ओह, क्या ही समय है! कहते हैं कि हमें अब और अधिक संसार नहीं चाहिए। हम उसे चाहते हैं, और केवल उसे। वह हमारा बचाने वाला है।

168 जैसे कि आज प्रातः आप इस भवन से यात्रा पर जाते हैं, उसे अपने साथ ले जाए। इसे कभी ना छोड़े अपने प्राणों में। मधुर बने अपने समस्त जीवन के दिनों में। परमेश्वर आपको आशीष दे जैसे कि आप अपने–अपने बैठने के स्थान पर जाते हैं और बालकों के पास उनके उपहार है। परमेश्वर आपको आशीष दे।

169 क्या इस पर प्रार्थना करनी है? बहन, यहां से उनकी सहायता करें। प्रार्थना करने जा रहे हैं।

प्रभु परमेश्वर इस भाई पर दयावान हो। इसमें से नशे की आत्मा को निकाल दे, प्रभु। होने दे कि यह परमेश्वर की नई मदिरा के नशे में हो जाए। यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

170 क्या यह स्वर्गीय जैसा ही नहीं है? आप में से कितने अनुभव करते है, बस एक मिठास? कोई नहीं जानता कि क्या कहे। मैं कहने के लिए कुछ नहीं जानता। मैं बस—मैं... मेरे पास शब्दों की कमी है। मैं—मैं नहीं जानता कि क्या कहूं। केवल उसका आत्मा अभी भीतर आया है, देखा।

171 यह क्या है? आप मेमने बन रहे हैं, और पिडुकी यहां मेमने को भोजन के लिए अगुवाई के लिए है। *यह* भेड़ का खाना है, "मनुष्य केवल रोटी ही से जीवित ना रहेगा, परंतु हर शब्द से जो उसके मुख से निकलता है।" हमारी आत्मा उसी पर जीवित है।

172 अब मैं सोचता हूं कि मुझे अपने अच्छे मित्र, एवर्नी रोबिन्स से मिलना चाहिए, यदि आप भवन में इतनी प्रतीक्षा करें कि मैं कपड़े बदल कर वापस आ जाऊं, क्योंकि मैं पसीने से भीग रहा हूं।

173 अब भाई नेविल सभा को लेंगे क्योंकि वरदान बालकों के लिए—के लिए है। प्रभु आपको आशीष दे।

174 *वहां उसकी महिमा से* हमेशा गाता हूं। जब आप यह करते हैं, तो स्मरण रखें कि हम उसमें क्या विश्वास करते हैं, "परमेश्वर की सारी परिपूर्णता उसमें वास करती है।"

भाई नेविल, प्रभु आपको आशीष दे।

175 [भाई नेविल भाई ब्रंहम से बात करते हैं।—सम्पा।] हां, यदि, आप मुझे चाहते हैं। ["हां।"]

176 भाई नेविल मुझसे कह रहे हैं कि यदि मैं आज रात्रि फिर से आकर प्रचार करूं। उनकी सभा लेना अच्छा नहीं लगता। परंतु मैं यहां हूं, मैं इसी के लिए यहां पर हूं। अच्छा, आज रात्रि मैं वापस आऊंगा, प्रभु ने चाहा तो, सभा में बोलूंगा।

एक सर्वोच्च चिन्ह HIN59-1227M

(A Super Sign)

यह सन्देश हमारे भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में रविवार सुबह, 27 दिसंबर, 1959 को ब्रंहम टेबरनेकल, जेफरसनविले, इंडियाना, संयुक्त राज्य अमेरिका, में प्रचारित किया गया। जिसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोइस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बांटा गया है।

HINDI

©2023 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org